आश्विन कृष्ण - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 58 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 20-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उम्मीद नहीं थी कि सत्र का अंत ऐसा होगा, लेकिन दमदार वापसी करूंगा : नीरज चोपड़ा

6 भारत में डिजिटल सुनामी : जेन-जी हो गए इंटरनेट लवर्स

7 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी दीपिका पादुकोण

फर्स्ट टेक

भारत ने औषधि में उपयोग हाने वाले रसायन के आयात पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने औषधि उद्योग में इस्तेमाल होने वाले एक रसायन पर अगले साल 30 सितंबर तक आयात प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी कर दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने शुक्रवार को कहा कि 111 डॉलर प्रति किलोग्राम से कम सीआईएफ (लागत, बीमा, माल ढुलाई) मूल्य वाले ''एटीएस-8 (4आर-सीआईएस)-11-डाइमिथाइलएथिल-6-सायनोमिथाइल-2 2-डाइमिथाइल-13-डायोक्सेन-4-एसीटेट'' के आयात पर तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर, 2026 तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, पहले से अनुमति पत्र ले चुकी इकाइयों, निर्यात-उन्मुख इकाइयों और सामाजिक आर्थिक क्षेत्र द्वारा आयातित कच्चे माल को न्यूनतम आयात मूल्य शर्त से छूट दी जाएगी। दवाओं में इस्तेमाल होने वाला यह रसायन चीन जैसे देशों से आयात किया जाता है।

इंडिगो का विमान आपात स्थिति में चेन्नई में उतरा

चेन्नई/भाषा। मुंबई से थाईलैंड के फुकेत जा रहे इंडिगो के एक विमान को बम की कथित धमकी के बाद चेन्नई हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीआईएसएफ कर्मियों और हवाई अड्डे पर मौजूद अधिकारियों ने उड़ान की जांच की और धमकी को अफवाह करार दिया। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है। एयरलाइन ने कहा, ''मुंबई से 19 सितंबर को फुकेत जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई 1089 को विमान में सुरक्षा संबंधी खतरे के कारण मार्ग परिवर्तित करके चेन्नई भेज दिया गया।'' स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित कर दिया गया और चेन्नई में उड़ान की आवश्यक सुरक्षा जांच की जाएगी। बयान में कहा गया है, ''फुकेत हवाई अड्डे पर रात्रिकालीन कर्फ्यू के कारण, दोबारा यात्रा का समय देर रात में निर्धारित किया गया है। हम ग्राहकों की असुविधा को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

19-09-2025 सूर्यास्त 6:06 बजे	20-09-2025 सूर्योदय 5:58 बजे
BSE 82,626.23 (-387.73)	NSE 25,327.05 (-96.55)
सोना 11,525 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 144,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

'आत्मनिर्भरता' रणनीतिक स्वायत्तता के लिए अनिवार्य शर्त : सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जब तक हम रचनात्मक नहीं होंगे, हम रक्षा प्रौद्योगिकी में कभी भी अग्रणी नहीं हो पाएंगे।

रांची/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को आत्मनिर्भरता को रणनीतिक स्वायत्तता के लिए अनिवार्य शर्त करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत में भविष्य के युद्ध पर आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं, जबकि अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम मिशन जैसे क्षेत्रों में नीतिगत पहल की जा रही हैं।

रांची में तीन दिवसीय 'ईस्ट टेक-2025' संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि हथियारों का रणनीतिक चयन सबसे अहम है और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) की समीक्षा कर उन्हें आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमने भविष्य के युद्ध पर आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए हैं-भविष्य में किस तरह का युद्ध होगा। हम अंतरिक्ष, साइबर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम मिशन, उन्नत सामग्री, सैन्य सिमुलेशन (वास्तविक युद्ध किए बिना ही युद्ध संबंधी किसी सिद्धांत का परीक्षण करना) और घातक एवं स्वायत्त हथियार प्रणालियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी कई नीतियां बनाने जा रहे हैं। सेनाएं भविष्य में अपनी भूमिका को किस रूप में देखती हैं।

जनरल चौहान ने कहा कि एक एकीकृत क्षमता विकास योजना पर काम चल रहा है, जबकि अगले 10 वर्षों के लिए प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य और क्षमता रूपरेखा पहले ही जारी की जा चुकी है।

गायक जुबिन गर्ग की सिंगापुर में 'स्कूबा डाइविंग' के दौरान मौत

गुवाहाटी/भाषा। '...या अली' और 'जाने क्या चाहे मन बावरा...' जैसे प्रसिद्ध बॉलीवुड गानों को अपनी आवाज देने वाले और युवा दिलों की धड़कन जुबिन गर्ग की शुक्रवार को सिंगापुर में 'स्कूबा डाइविंग' के दौरान मौत हो गई। दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश सिंगापुर में एक महोत्सव के आयोजकों ने यह जानकारी दी। वह 52 वर्ष के थे और उनके परिवार में उनकी पत्नी हैं। 'स्कूबा डाइविंग' के दौरान गर्ग को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। 'स्कूबा डाइविंग' पानी के अंदर एक प्रकार की गतिविधि है, जिसमें लोग विशेष उपकरणों की मदद से सांस लेते हुए समुद्र या किसी गहरे जल स्रोत में गोता लगाते हैं और तैरते हैं। वह तीन दिवसीय 'नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल' में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा

पिछड़ी जातियों का सामाजिक-शैक्षिक सर्वेक्षण स्थगित नहीं किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि पिछड़े वर्गों का सामाजिक-शैक्षिक सर्वेक्षण स्थगित नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह टिप्पणी कैबिनेट में इस मुद्दे पर मतभेद की खबरों के बीच की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण कैसे किया जाएगा, इस बारे में फैसला पिछड़ा वर्ग आयोग करेगा। उनसे पत्रकारों ने पूछा कि कुछ मंत्रियों ने सर्वेक्षण का विरोध किया और इसे स्थगित करने की मांग की है।

इसके जवाब में सिद्दरामय्या ने कहा, हम इसे नहीं टालेंगे। पिछड़ा वर्ग आयोग संविधान के तहत गठित एक वैधानिक संस्था है। हम इसे कोई निर्देश नहीं दे सकते। हम इसे नहीं टालेंगे। उन्होंने राय मांगी है। आयोग ही इस बारे में फैसला करेगा।

सर्वेक्षण से मंत्रियों के नाखुश होने के दावों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, भाजपा राजनीति कर रही है... वे कांग्रेस सरकार को हिंदू विरोधी बता रहे हैं। मैंने मंत्रियों से कहा कि वे इसकी निंदा करें और उन्हें उचित जवाब दें। कैबिनेट की बृहस्पतिवार को हुई बैठक में इस सर्वेक्षण के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया, जिसे जातिगत जनगणना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कुछ मंत्रियों ने वोक्कालिगा ईसाई, लिंगायत ईसाई, विश्वकर्मा ब्राह्मण ईसाई, गनीगा ईसाई और माडिवाला ईसाई को शामिल करने पर चिंता जताई है।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने सर्वेक्षण को लेकर मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा, जब भी सिद्दरामय्या असफल होते हैं, तो वे जाति कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। करंदलाजे ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या ने 2013 से 2018 तक अपने पिछले कार्यकाल के दौरान लिंगायत और वीरशैव समुदायों को विभाजित करने की कोशिश की थी, और इस मुद्दे को गांव स्तर तक फैलाने का भी प्रयास किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया, अब फिर से सिद्दरामय्या सभी जातियों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

आईफोन 17 की बिक्री के पहले दिन दिखा युवा खरीदारों में भारी उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत में दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु जैसे महानगरों में इस नवीनतम फोन को लेकर ग्राहकों के बीच खासा उत्साह देखा गया।

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल का नवीनतम फोन मॉडल 'आईफोन 17' की शुक्रवार को भारत में बिक्री शुरू हो गई। इस फोन को खरीदने के लिए देश के तमाम बड़े शहरों में सुबह से ही भारी भीड़ देखी गई। उत्साहित ग्राहकों ने स्टोर खुलने से कई घंटे पहले कतारें लगा दीं और कुछ लोग रातभर इंतजार करते रहे। एप्पल ने हाल ही में आईफोन 17 को वैश्विक स्तर पर पेश किया था। आईफोन 17 के शुरुआती मॉडल की कीमत भारत में 82,900 रुपए से शुरू होकर 2,29,900 रुपए तक है। अमेरिका में यह 799 डॉलर से 1,999 डॉलर की कीमत पर उपलब्ध है।

भारत में दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु जैसे महानगरों में इस नवीनतम फोन को लेकर ग्राहकों के बीच खासा उत्साह देखा गया। इसे खरीदने के लिए लोग एप्पल स्टोर के बाहर लंबी कतारों में खड़े रहे। एप्पल के उत्पादों की बिक्री करने वाले विक्रेताओं ने शुरुआती दिन रिकॉर्ड संख्या में ग्राहकों के आने की बात कही। दिल्ली के साकेत सिटीवॉक मॉल स्थित एप्पल स्टोर के बाहर लंबी कतारों में युवा खरीदारों की मौजूदगी देखी गई। बेंगलूरु के मॉल ऑफ एशिया में हाल ही में खुले एप्पल हेब्बल स्टोर और मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में भी भारी भीड़ उमड़ी।

मैं यहीं पैदा हुआ हूँ, यहीं रहूँगा और यहीं मरूंगा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को अपने गृह ज़िले रामनगर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि 'उनका जन्म यहीं हुआ है, वे यहीं रहेंगे और यहीं मरेंगे'। देवराज अर्स की जयंती मनाने के लिए रामनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं इसी मिट्टी में पैदा हुआ हूँ, यहीं रहूँगा और यहीं मरूँगा। मुझे इस ज़िले से कुछ भी लेना नहीं है क्योंकि मैं यहीं का हूँ। मेरी एकमात्र प्राथमिकता यहाँ के लोगों को सशक्त बनाना है।

उन्होंने कहा, कुछ लोग आलोचना कर रहे हैं कि मैंने रियल एस्टेट को ध्यान में रखते हुए ज़िले का नाम बदला है। मैं सिद्धांतों पर आधारित जीवन में विश्वास करता हूँ और मैंने इस ज़िले के लोगों के लिए ऐसा किया है। हमने पहले ही 100 एकड़ ज़मीन पर प्लॉट बनाकर ज़रूरतमंदों को बाँटने का फ़ैसला कर लिया है। हमने अधिकारियों को बागर हुकुम और अन्य ज़मीनों को खाली करने का निर्देश दे दिया है। ईश्वर ने मुझे सेवा का अवसर दिया है और अगर मैं अपने लोगों की मदद नहीं कर सकता, तो सत्ता का क्या फ़ायदा? हम कनकपुरा में लगभग 100 एकड़ ज़मीन बाँट चुके हैं। हमने 8000 लोगों को बागर हुकुम ज़मीन दी है। डीके सुरेश को यहाँ की ज़िम्मेदारी दी गई है।

उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी इस निर्वाचन क्षेत्र से दो बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन उन्होंने लोगों को कोई प्लॉट नहीं दिया। वे राजनीति में क्यों रहें? जनता दल ने यहाँ राजनीति करने का अवसर खो दिया है। पूर्व मंत्री अश्वथनारायण ने हमारी मर्दानगी को चुनौती दी, लेकिन वे एक भी प्लॉट जारी नहीं कर पाए।

पापुआ में 6.1 तीव्रता का भूकंप

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया के पूर्वी पापुआ क्षेत्र में शुक्रवार तड़के 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे एक तटीय शहर में थोड़ा नुकसान पहुंचा है।

बहरहाल, अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी के प्रमुख सुहार्यंतो ने बताया कि मध्य पापुआ प्रांत के नबीरे शहर में कम से कम दो मकान और मुख्य पुल ढह गए।

पौधा रोपण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक आवास पर कदम्ब का एक पौधा रोपा, जो उनके 75वें जन्मदिन पर ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय की ओर से उपहार में मिला था। भारत में ब्रिटिश उच्चायोग के कार्यालय ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर कहा था कि यह उपहार मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल से प्रेरित है, जिसमें लोगों से उनकी माताओं के सम्मान में पौधारोपण करने को कहा जाता है। उसने कहा कि यह उपहार महाराज चार्ल्स तृतीय और मोदी की पर्यावरण संरक्षण के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक आधिकारिक वीडियो में मोदी को उनके सरकारी आवास पर पौधा रोपते हुए देखा जा सकता है।

व्यापार वार्ता के लिए जल्द अमेरिका जा सकते हैं गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जल्द ही वाशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ने के बीच उनकी यह यात्रा होने की उम्मीद है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हाल ही में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के बीच दिन भर की बातचीत के बाद यह यात्रा होने जा रही है। सूत्रों ने कहा, ''व्यापार वार्ता के लिए वाणिज्य मंत्री का दौरा जल्द ही... शायद अगले कुछ दिनों में... होने की संभावना है।'' वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि 16 सितंबर को द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर दिल्ली आई अमेरिकी टीम के साथ दिन भर की चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को शीघ्र और पारस्परिक रूप से लाभकारी रूप से संपन्न करने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए।

निर्वाचन आयोग ने 474 और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को सूची से बाहर किया

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने पिछले छह वर्षों में चुनाव न लड़ने सहित अन्य मानदंडों का उल्लंघन करने के कारण 474 और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है। इस प्रक्रिया के पहले चरण में, निर्वाचन आयोग ने नौ अगस्त को 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटा दिया। बयान में कहा गया है, इसी क्रम में, दूसरे चरण में, निर्वाचन आयोग ने 18 सितंबर को 474 आरयूपीपी को सूची से हटा दिया।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा। उन्होंने मतदाता सूची से नाम कथित तौर पर नाम हटाए जाने से संबंधित अपने संवाददाता सम्मेलन का एक संक्षिप्त वीडियो 'एक्स' पर साझा किया जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जिन लोगों के नाम का इस्तेमाल कर वोट हटाए गए उन्हें यह पता ही नहीं था और सुबह चार बजे भी नाम हटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए गए। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, सुबह चार बजे उठो, 36 सेकंड में दो वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ। ऐसे भी हुई वोट चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा।

रूस ने भारत में बड़े और छोटे परमाणु संयंत्रों के स्थानीयकरण की पेशकश की

मॉस्को/भाषा। रूस ने भारत को दोनों देशों के बीच असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग के तहत बड़े और छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के स्थानीयकरण में सहयोग की पेशकश की है। शुक्रवार को इसकी घोषणा की गई। रूस वर्तमान में तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) का निर्माण कर रहा है। सरकारी परमाणु ऊर्जा निगम रोसाटॉम के अनुसार, इसके महानिदेशक एलेक्सी लिखाचोव ने 15-20 सितंबर को वियना में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के 69वें वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक के दौरान यह प्रस्ताव रखा। रोसाटॉम की एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''रोसाटॉम के रणनीतिक साझेदारों में से एक भारत के साथ बातचीत शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही।

'मातृछाया' द्वारा ऑर्थोपेडिक जांच व परामर्श शिविर रविवार को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की ओर से विशेष रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट शिविर और विशेषज्ञ परामर्श का आयोजन रविवार को प्रातः 8:30 बजे से गोडवाड़ भवन में किया जा रहा है। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि अहमदाबाद के नी एंड हिप क्लिनिक के ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. जीतेंद्र चौधरी विशेष परामर्श के साथ परीक्षण करेंगे। शिविर में रोबोटिक समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट और उससे जुड़ी आधुनिक चिकित्सा जानकारी पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा। इस शिविर की तैयारियों की बैठक में मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि यह शिविर मुख्यतः बुजुर्गों एवं मध्यम आयु के उन लोगों के लिए है जिनमें घुटना, कूल्हा या कंधे के जोड़ों में दर्द, अकड़न या चलने-फिरने में कठिनाई हो रही है। इस बैठक में सचिव रेशमा बडोला व शिविर संयोजिका नीलम ललवानी ने बताया कि यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

क्राइस्ट जूनियर कॉलेज में 'लेखक से मुलाक़ात' कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के क्राइस्ट जूनियर कॉलेज भाषा विभाग की ओर से बुधवार को 'लेखक से मुलाक़ात' कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात लेखक, कवि, नाटककार और फोटोग्राफर डॉ. प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण शामिल हुए। कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य फादर बिजो जार्ज, विभाग कर अध्यक्ष नागरत्ना सहित अनेक शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। यह सत्र पाठ्यक्रम में शामिल यात्रा वृतांत 'यात्रा जापान की' पर केंद्रित था। डॉ. प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए 'अपने नाम परिवर्तन' की कहानी साझा की और भारतीय व जापानी विद्यार्थियों की स्थिति पर रोशनी डाली। उन्होंने जापान की लाइब्रेरी व्यवस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और भारतीयों के प्रति जापानी समाज के सौहार्द का उल्लेख किया। ज्ञातव्य है कि लेखक सुरेश ने टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज़ में कार्यरत थे। सत्र का संचालन डॉ कविता पनिया ने किया।

भारत कभी भी अलोकतांत्रिक तरीकों से प्राप्त सत्ता को स्वीकार नहीं करेगा : केंद्रीय मंत्री जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संविधान और लोकतंत्र को बचाने के संदर्भ में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा 'जेन-जेड' का उल्लेख करने पर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि वह हताशा से प्रेरित हैं और भारत अलोकतांत्रिक तरीकों से प्राप्त सत्ता को कभी स्वीकार नहीं करेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता जोशी ने कर्नाटक में एक विधानसभा सीट पर गांधी द्वारा मतदान में धांधली के नये आरोपों को ''बकवास'' बताकर खारिज कर दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ अपनी मुहिम को जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को मतदाता सूचियों से ''कांग्रेस समर्थक मतदाताओं'' के नाम हटाए जाने का विषय उठाया था और आरोप लगाया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ''लोकतंत्र की हत्या करने वालों'' तथा ''वोट चोरों'' की रक्षा कर रहे हैं। गांधी ने कहा था कि 2023 के विधानसभा चुनाव में आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6,018 मतदाताओं का नाम हटाने के लिए आवेदन दिए गये थे। जोशी ने गांधी द्वारा बार-बार लगाए गए ''वोट चोरी'' के आरोपों को निराधार और भ्रामक बताया और उन्हें अपने इन आरोपों को साबित करने की चुनौती दी। केंद्रीय मंत्री ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए कहा, कोई भी आपका नाम मतदाता सूची से (उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना) नहीं हटा सकता। (इस संबंध में) एक पुलिस शिकायत की पुष्टि हो गई है।

जोशी ने कोलार जिले के मालूर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले पर कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाया। 'जेन-जेड' उस पीढ़ी को कहा जाता है जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई है। यह वह युवा वर्ग है जो तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया के साथ बड़ा हुआ है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कोलार जिले के मालूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस विधायक के वाई नंजेगौड़ा के चुनाव को मंगलवार को रद्द कर दिया और 2023 के राज्य विधानसभा चुनावों में डाले गए मतों की पुनर्गणना का आदेश दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति आर देवदास की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनाया। पीठ भाजपा के के.एस. मंजूनाथ गौड़ा द्वारा दायर चुनाव याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो नंजेगौड़ा से हार गए थे। जोशी ने कहा, ''गांधी ने इस मुद्दे पर बात क्यों नहीं की? अगर वह (कांग्रेस) तेलंगाना में जीतते हैं, तो सब ठीक है, ईवीएम सही हैं, निर्वाचन आयोग सही है। लेकिन जब वह हारते हैं, तो सब कुछ गड़बड़ हो जाता है।

मोदी ने काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारियों के लिए 12,000 रुपए की विशेष चप्पलें खरीदीं : ठाकुर

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारियों के लिए भांग के रेशे से पारंपरिक रूप से हस्तनिर्मित चप्पलें (पुल्ला या पूहल) खरीदने के लिए दो महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को अपने खाते से 12-12 हजार रुपए दिये।

ठाकुर ने कहा, ''मुझे प्रधानमंत्री का फोन कॉल आया और उन्होंने हिमाचल में बने 'पुल्ला' के बारे में पूछताछ की। उन्होंने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने पाया कि पुजारी कड़ाके की ठंड में नंगे पैर पूजा कर रहे थे, क्योंकि मंदिर के अंदर जूते-चप्पल ले जाने की अनुमति नहीं थी।

तेयुप हनुमंतनगर द्वारा लगाए गए 13 शिविरों में एकत्र हुआ 426 यूनिट रक्त

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के तत्वावधान में 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पूरे देश में रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 मेगा रक्तदान शिविरों के आयोजन के तहत तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर द्वारा 13 केंद्रों पर आयोजित रक्तदान शिविर में लगभग 426 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। अध्यक्ष स्वरूप चौपड़ा ने सभी का स्वागत किया। मुख्य प्रायोजक स्वरूप चोपड़ा परिवार व अन्य सहप्रायोजकों के सहयोग से आयोजित इन शिविरों में परिषद प्रभारी आशीष धारीवाल, सहप्रभारी प्रमोद श्रीश्रीमाल, रोहित देरासरिया, सभा के मंत्री हेमराज मांडोत, एमबीडीडी प्रभारी अमित दक, अभातेयुप के राष्ट्रीय संगठनमंत्री अमित सेठिया आदि उपस्थित थे।

आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए टिकाऊ समाधान के रूप में आगे बढ़ाने के लिए भारत कटिबद्ध : जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को कहा कि आयुर्वेद मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की बेहतरी दोनों के लिए एक टिकाऊ एवं समग्र वैश्विक स्वास्थ्य समाधान है।

उन्होंने 23 सितंबर को गोवा में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में मनाये जाने वाले 10वें आयुर्वेद दिवस की मुख्य पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि आयुर्वेद में एक समग्र, वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद सिर्फ एक चिकित्सा विज्ञान नहीं है, बल्कि यह एक जीवन जीने का तरीका है जो व्यक्ति का उसके परिवेश के साथ सामंजस्य बिठाता है।

आयुष पर नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के पहले अखिल भारतीय सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, जाधव ने कहा कि ग्रामीण और शहरी भारत दोनों में आयुर्वेद को व्यापक स्वीकृति मिली है और यह अब भी सबसे अधिक प्रचलित उपचार पद्धति है। इस साल का ध्येयवाक्य -'लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद' - वैश्विक स्वास्थ्य और पर्यावरण की बेहतरी के लिए एक टिकाऊ, समग्र समाधान के रूप में आयुर्वेद को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने आयुर्वेद दिवस 2025 के अवसर पर आयुष मंत्रालय द्वारा लोगों के हित में कई नई योजनाओं की भी घोषणा की। इनमें विद्यार्थियों के लिए 'कल्याण हेतु छोटे कदम' जैसे जागरूकता अभियान, झूठे विज्ञापनों का मुकाबला करने के लिए 'लीड द मिसलीड', मोटापे के लिए 'आयुर्वेद आहार' और पौधों और पशु चिकित्सा के लिए आयुर्वेद पर कार्यक्रम शामिल हैं।

तेलंगाना सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए दो कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए दो कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। इन योजनाओं का उद्देश्य वंचित समुदायों को वित्तीय सहायता प्रदान करना और स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। तेलंगाना के मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने सचिवालय में इन दो योजनाओं, 'इंदिरम्मा माइनॉरिटी महिला योजना' और 'रेवंत अन्ना का सहारा-मिस्कीन ला कोसम' की शुरुआत की। राज्य के अनुसूचित जाति विकास, जनजाति कल्याण और अल्पसंख्यक मंत्री ने कहा कि योजनाओं का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण हेतु एक समर्पित पोर्टल स्थापित किया गया है। आवेदन 'ऑफलाइन' स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'इंदिरम्मा माइनॉरिटी महिला योजना' के तहत विधवाओं, तलाकशुदा, अनाथों व अविवाहित महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 50,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

हरियाणा सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए क्षतिपूर्ति पैकेज घोषित करे : कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा ने मांग की है कि हरियाणा सरकार हाल में आई बाढ़, जलप्लावन और जलभराव से प्रभावित किसानों की मदद के लिए मुआवजा पैकेज की घोषणा करे।

शैलजा ने कहा कि राज्य सरकार को उचित कदम उठाना चाहिए और प्रभावित किसानों की मदद के लिए अलग से मुआवज़ा पैकेज की घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार बाढ़ और भारी बारिश से फसलों, खासकर धान को भारी नुकसान हुआ है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शैलजा ने कहा कि हरियाणा में धान की खेती मुख्य रूप से करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, अंबाला, जींद, यमुनानगर, पानीपत, सिरसा और सोनीपत जैसे जिलों में की जाती है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इनमें से करनाल, कैथल, कुरुक्षेत्र और जींद को धान का कटोरा कहा जाता है तथा विशेष रूप से करनाल बासमती चावल उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। कुरुक्षेत्र धान की खेती में अग्रणी जिलों में से एक है। कैथल को भी धान का कटोरा कहा जाता है तथा वह धान की खेती के लिए महत्वपूर्ण है। शैलजा का कहना है कि अंबाला धान की खेती के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यमुनानगर में भी धान की खेती बड़े पैमाने पर होती है। सिरसा में भी धान की खेती बड़े पैमाने पर होती है, जहां सीधी बुवाई तकनीक पर ज़ोर दिया जाता है। शैलजा ने बताया इस साल मानसून की मार से किसान बेहद परेशान हैं - खेत जलमग्न हो गए और लंबे समय तक पानी भरा रहा, जिससे धान की फसल को भारी नुकसान हुआ। एक तरफ, चावल के दाने छोटे हैं, तो दूसरी तरफ, वे काले पड़ गए हैं, जिससे चावल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। किसान पूसा बासमती किस्म 1509 की कीमत और पैदावार को लेकर बेहद चिंतित हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्पादन लागत भी वसूल होने की संभावना नहीं दिख रही है, क्योंकि इस सीजन में बाजार में धान की कीमतें पिछले साल के मुकाबले कम हैं।

मोदी को यूनानी प्रधानमंत्री का फोन

भारत-ईयू एफटीए शीघ्र पूरा करने के लिए समर्थन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शुक्रवार को यूनानी प्रधानमंत्री काइरियाकोस मित्सोताकिस ने फोन पर बात की और उन्हें पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र पूरा करने के लिए यूनान के समर्थन से अवगत कराया। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच फोन पर बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठा।

मोदी और मित्सोताकिस ने भारत तथा यूनान के बीच द्विपक्षीय संबंधों, विशेषकर व्यापार, निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में संबंधों का भी जायजा लिया। भारत की ओर से जारी बयान के अनुसार, ''दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नौवहन, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क और लोगों के बीच रिश्तों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में विकास का स्वागत किया तथा भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।''

इसमें कहा गया कि मित्सोताकिस ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने और 2026 में भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए यूनान के समर्थन से अवगत कराया। फोन यूनानी नेता की ओर से किया गया। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए 13वें दौर की वार्ता पिछले सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित हुई। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 135 अरब अमेरिकी डॉलर का रहा। दोनों पक्षों ने पहले ही 11 अध्यायों पर बातचीत पूरी कर ली है, जिनमें सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, विवाद निपटान, डिजिटल व्यापार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, लघु और मध्यम आकार के उद्यम, प्रतिस्पर्धा तथा सब्सिडी और पूंजीगत आवाजाही शामिल हैं। यूनानी प्रधानमंत्री ने 17 सितंबर को मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी ने इसके लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

युवा पीढ़ी अपना रही 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा : डूसू चुनावों में एबीवीपी की जीत पर नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनावों में आरएसएस से संबद्ध एबीवीपी के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि प्रमुख पदों पर इसकी जीत दर्शाती है कि युवा पीढ़ी ने 'राष्ट्र प्रथम' के संदेश को अपनाया है।

नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को डूसू चुनावों में अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पदों पर जीत हासिल करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर एबीवीपी ने हमेशा युवाओं को राष्ट्रवाद और निःस्वार्थ सेवा की भावना से प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, ''यह जीत दर्शाती है कि आज की युवा पीढ़ी ने 'राष्ट्र प्रथम' के संदेश को अपनाया है, जो भारत को उज्ज्वल और मजबूत भविष्य की ओर ले जाएगी।'' एबीवीपी ने डूसू चुनावों में अध्यक्ष पद सहित तीन पदों पर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई ने एक पद पर जीत दर्ज की।

राहुल गांधी 'अर्बन नक्सली' की तरह बोलते हैं : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर 'अर्बन नक्सली' की तरह बयान देने का आरोप लगाया और दावा किया कि कांग्रेस नेता ने 'जेन-जेड' को लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने को कहा। 'जेन-जेड' वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी न तो संविधान में विश्वास करते हैं और न ही लोकतांत्रिक संस्थाओं को स्वीकार करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी के सलाहकारों की सोच भी 'अर्बन नक्सली'' जैसी है।

उनकी यह टिप्पणी गांधी द्वारा देश के निर्वाचन आयोग पर नए सिरे से हमला करने और ''वोट चोरी'' के आरोपों को दोहराने के एक दिन बाद आई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बृहस्पतिवार शाम को पोस्ट कर कहा, ''देश के युवा, देश के छात्र, देश के 'जेन-जेड' संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिंद!''

जब पत्रकारों ने कांग्रेस नेता के इस पोस्ट पर फडणवीस की प्रतिक्रिया मांगी तो मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''गांधी ने 'जेन-जेड' से अपील की है कि वे एक साथ आकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकें... यह 'वोट चोरी' नहीं है, बल्कि राहुल गांधी के दिमाग की चोरी हो गयी है। उन्हें न तो संविधान पर भरोसा है और न ही वे संस्थाओं को मानते हैं। उन्होंने जिस तरह से कहा कि 'जेन-जेड' को एकजुट होकर चुनी हुई सरकार को गिराना चाहिए, वह 'अर्बन नक्सली' जैसी भाषा है।'' उन्होंने कहा, ''गांधी के सलाहकारों की मानसिकता 'अर्बन नक्सली' जैसी है। लेकिन भारत के 'जेन-जेड' संविधान में विश्वास रखते हैं। इसी 'जेन-जेड' ने स्टार्टअप 'इकोसिस्टम' की शुरुआत की है और प्रौद्योगिकी को समझती है। राहुल गांधी न तो 'जेन-जेड' को समझते हैं, न ही देश के युवाओं को और न ही बुजुर्गों को।''

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की वैश्विक छवि को मजबूत किया : मुख्यमंत्री गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नागरिकों से देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उनके साथ जुड़ने की अपील की।

मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक पखवाड़े तक मनाए जाने वाले 'सेवा पखवाड़ा' के तहत शुक्रवार को इंडिया गेट पर आयोजित ''विकसित भारत के रंग, कला के संग'' कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 10 किलोमीटर लंबे 'कैनवास' पर कमल का चित्र बनाया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, गुप्ता ने कहा कि यह 'कैनवास' भारत की एक नई छवि को प्रदर्शित करता है, जिसे हजारों लोगों ने विभिन्न रंगों से बनाया है। उन्होंने कहा, ''यह हमारा देश है और इसके भविष्य के बारे में सपने देखने और जिम्मेदारी लेकर उन सपनों को साकार करने में हम सभी की भूमिका है।'' गुप्ता ने जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व मंच पर भारत की छवि को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री को सलाम करते हैं, जिन्होंने देश की प्रगति के लिए अथक प्रयास किये हैं। हमें भारत को आत्मनिर्भर और विश्व में अग्रणी बनाने के लक्ष्य के साथ उनसे जुड़ने की जरूरत है।''

कंगना ने हिमाचल सरकार से मानसून से प्रभावित पर्यटन उद्योग को राहत पैकेज देने का आग्रह किया

शिमला/भाषा। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश सरकार से पर्यटन उद्योग को राहत पैकेज देने का आग्रह करते हुए कहा कि मानसून आपदा के दौरान यह क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है और सभी हितधारक प्रभावित हुए हैं।

कुल्लू विधानसभा क्षेत्र में लगघाटी, दड़का, भुट्टी, कुल्लू शहर और मणिकरण घाटी के दौरे पर, उन्होंने प्रभावित परिवारों से बातचीत की और सेवा पखवाड़ा रक्तदान शिविर का भी उद्घाटन किया। कुल्लू में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंडी से लोकसभा सदस्य ने कहा कि मानसून आपदा के बाद हिमाचल प्रदेश, विशेषकर मनाली में पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और आतिथ्य उद्योग से जुड़े सभी लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें होटल व्यवसायी, टैक्सी चालक, छोटे दुकानदार और पर्यटन एवं संबद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले लोग शामिल हैं। कंगना ने कहा, केंद्र सरकार ने एक बड़ा पैकेज दिया है, लेकिन धन का वितरण राज्य सरकार के पास है। मैं राज्य सरकार से पर्यटन उद्योग को राहत पैकेज देने का आग्रह करूंगी।

राहुल नेतृत्व की विफलताओं को स्वीकार करें : रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संस्थाओं पर निशाना साधने के बजाय अपनी बार-बार की चुनावी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी करने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया था और दावा किया था कि कर्नाटक में मतदाता सूची से कांग्रेस मतदाताओं के नाम व्यवस्थित तरीके से हटाए जा रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने आरोपों को गलत और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उचित प्रक्रिया के बिना वोटों को हटाया नहीं जा सकता।

दौरा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को त्यागराजनगर के वार्ड नं.133 स्थित विधायक कार्यालय में आयोजित स्टालिन विद यू शिविर का दौरा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया और उसका निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में दायर एक लाभार्थी की याचिका का समाधान किया और उसे एक प्रमाण पत्र जारी किया। इस अवसर पर विधायक जे. करुणानिधि, मुख्यमंत्री अभिभाषण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव/विशेष अधिकारी पी. अमुथा, आई.ए.बी., ग्रेटर चेन्नई निगम के आयुक्त जे. कुमारगुरुबरन, आई.ए.बी., विधायक के. एझुमलाई, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि और उच्च सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

देश की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी रानी वेलु नचियार की प्रतिमा का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने देश की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी रानी वेलु नचियार की प्रतिमा का शुक्रवार को यहां गांधी मंडपम परिसर में अनावरण किया। रानी वेलु नचियार को वीरमंगई' (वीर महिला) के नाम से भी जाना जाता है। रानी वेलु नचियार ने अंग्रेजों की सेना के विरुद्ध अपनी सेना का नेतृत्व किया और आठ वर्षों के निर्वासन के बाद अपना राज्य शिवगंगा वापस जीत लिया। सरकार ने बताया कि उन्होंने उत्तर भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने वाली झांसी की रानी (1835-1858 ई.) से लगभग सौ वर्ष पहले अंग्रेजों की शक्ति का सामना किया था।

वेलु नचियार का जन्म तीन जनवरी 1730 को हुआ था और उनका निधन 25 दिसंबर 1796 में हुआ। ईस्ट इंडिया कंपनी की सेनाओं के विरुद्ध युद्ध में रानी को गोपाल नायक, तत्कालीन मैसूर साम्राज्य के शासक हैदर अली और टीपू सुल्तान ने भी सहायता प्रदान की थी। उन्होंने 10 वर्षों तक शासन किया और 1796 में उनका निधन हो गया। वह रामनाथपुरम के राजा चेल्लामुथु विजयरगुनाथ सेतुपति और रानी सकंधीमुथल की बेटी थी। उनके पति की अंग्रेज सैनिकों द्वारा हत्या किया किए जाने के बाद वह युद्ध में कूद पड़ी। उन्होंने भूमि, कर, कृषि, शिक्षा और महिला सुरक्षा सहित जन कल्याण के लिए कई सुधार लागू किए। बाद में, रानी ने अपनी बेटी वेल्लाची नचियार को शासन सौंप दिया। सरकार ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने 50 लाख रुपये की लागत से उनकी प्रतिमा स्थापित की है।

आधार शिला — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विभिन्न जिलों में 49.49 करोड़ रुपये की लागत वाली 11 खेल अवसंरचना विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिनमें खेल परिसरों का विकास, अतिरिक्त खेल केंद्र, खेल छात्रावास, पैरा-स्पोर्ट्स स्टेडियम और खेल अवसंरचना का नवीनीकरण शामिल है। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री के. आर. पेरियाकरुप्पन, चिकित्सा एवं लोक कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यन, हिंदू धर्म एवं धर्मार्थ संस्थान मंत्री पी. के. शेखरबाबू, मदुरावोयल विधायक के. गणपति, अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा कल्याण एवं खेल विकास, डॉ. अतुल्य मिश्रा, आई.ए.बी., सदस्य सचिव, तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण, जे. मेघनाथ रेड्डी, आई.ए.पी. और उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने 574 करोड़ रुपये के इक्विनिक्स डेटा सेंटर का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एसआईपीसीओटी-सिरुसेरी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पार्क में 574 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इक्विनिक्स डेटा सेंटर का शुक्रवार को उद्घाटन किया, जिसका मकसद राज्य को भारत के डिजिटल केंद्र के रूप में स्थापित करना है। 'इक्विनिक्स' ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के लिए अनुकूल बुनियादी ढांचा मुहैया कराने के वास्ते तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले के सिरुसेरी में एक अत्याधुनिक डेटा सेंटर का निर्माण किया है।

'इक्विनिक्स' एक अग्रणी डिजिटल अवसंरचना प्रदाता कंपनी है, जो वैश्विक व्यवसायों को अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी समाधान प्रदान करती है और दुनिया के कई देशों में डेटा सेंटर संचालित करती है। इसका मुख्यालय अमेरिका में है। मुख्यमंत्री स्टालिन की मौजूदगी में सआईपीसीओटी-सिरुसेरी आईटी पार्क में डेटा सेंटर की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। स्टालिन ने जुलाई 2022 में निवेशकों के शिखर सम्मेलन के दौरान परियोजना की आधारशिला रखी थी। उन्होंने सचिवालय में उद्योग विभाग की ओर से आयोजित एक समारोह में इस डेटा सेंटर का उद्घाटन किया।

राज्य सरकार ने एक बयान में कहा, तमिलनाडु सरकार जरूरी निवेश आकर्षित करने, युवाओं के लिए बड़ी संख्या में रोजगार सृजित करने और राज्य की अर्थव्यवस्था को 10 खरब अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाने के लिए कई विशेष पहल कर रही है। बयान में कहा गया है कि हाई-टेक परियोजनाओं को आकर्षित करने और इस तरह बड़े पैमाने पर उच्च-वेतन वाली नौकरियां पैदा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें कहा गया है, चूंकि, चेन्नई सूचना और डेटा केंद्रों के एक प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह उल्लेखनीय है कि विभिन्न कंपनियां नये डेटा सेंटर स्थापित कर रही हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में उद्योग मंत्री टीआरबी राजा, मुख्य सचिव एन मुरुगनंथम, उद्योग विभाग के सचिव वी अरुण रॉय, इक्विनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज पॉल और कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, केके नगर ने 17 सितंबर को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, केके नगर की डीन डॉ. सौम्या संपत के नेतृत्व में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक प्रमुख पहल, स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री द्वारा लाइव वीडियो लिंक के माध्यम से इस पहल के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के अनुरूप किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री के संदेश के सीधे प्रसारण के साथ हुई, जिसके बाद डीन के संबोधन और अस्पताल की गतिविधियों के औपचारिक शुभारंभ के साथ दो सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रमों की एक मजबूत शुरुआत हुई। उद्घाटन दिवस पर उत्साहपूर्ण भागीदारी और अभियान की भावना को प्रतिबिंबित करने वाली गतिविधियाँ देखी गईं। इन-हाउस सेवाओं में प्रसवपूर्व देखभाल, गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की जांच, एनीमिया परीक्षण, तपेदिक और मौखिक कैंसर की जांच, किशोर स्वास्थ्य आकलन और गैर-संचारी रोग का पता लगाना शामिल था। दो प्रमुख औद्योगिक स्थलों- फॉक्सकॉन, सुंगुवाचथिरम और संगीता वेज रेस्टोरेंट, पेरुंगलथुर में आउटरीच शिविर भी आयोजित किए गए। जिनमें कामकाजी महिलाओं को आवश्यक जांच व परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। जागरूकता सत्रों में पोषण, खाद्य सुरक्षा, मासिक धर्म स्वच्छता और निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं पर प्रकाश डाला गया। श्री सुंदरमूर्ति, क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी, और उनकी टीम ने खाद्य सुरक्षा, पोषण और मिलावट पर जागरूकता पैदा करके योगदान दिया, जिससे चिकित्सा गतिविधियों को पूरक बनाया गया। इस अवसर को और यादगार बनाने के लिए, अड्यार में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, जिसमें सामुदायिक और औद्योगिक स्थलों पर प्रतिदिन शिविरों के साथ-साथ आंतरिक जाँच भी शामिल होगी।

एफसीआई में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित हुई राजभाषा प्रतियोगिताएं

चेन्नई। भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै में 18 सितम्बर को तमिलनाडु क्षेत्र के महाप्रबंधक प. मुत्तुमारन ने हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ दीप प्रज्वलन करके किया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (क्षेत्र) गगन कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) अरुण कुमार, उप महाप्रबंधक (सामान्य) रवि शास्त्री, उप महाप्रबंधक (सामान्य) संजय कुमार विश्वास एवं उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) गौरव सक्सेना सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. एस. विजया उपस्थित थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हिंदी के समावेश से ही कार्यालय में राजभाषा का विकास होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से अनुरोध किया कि हिंदी पखवाड़े के दौरान अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में ही करें, ताकि हिंदी पत्राचार एवं टिप्पणियों में वृद्धि हो सके।

कार्यक्रम में हिंदी पखवाड़े के एक भाग के रूप में कार्यालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों, प्रबंधकों एवं सहायकों के लिए हिंदी अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. एस. विजया ने प्रतियोगिता का संचालन किया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा प्रबंधक कुणाल कुमार गुप्ता, वरिष्ठ सहायक राजभाषा लोकेश कुमार केआर ने किया।

द्रमुक सरकार दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है : उदयनिधि स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार शिक्षा, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में सरकार दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न तरीकों पर काम कर रही है।

स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए दिव्यांगजनों को 2,000 रुपये से एक लाख रुपये तक की शिक्षा सहायता प्रदान करने के अलावा, सरकार ने खेलों में भी उन्हें बहुत महत्व दिया है। उदयनिधि ने यहां एक बयान में कहा, विशेष रूप से, हमने अब तक तमिलनाडु चैंपियंस फाउंडेशन के माध्यम से विदेशों में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए लगभग 200 दिव्यांग छात्रों को पांच करोड़ रुपये तक की राशि प्रदान की है। इसी प्रकार, हमारी सरकार अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले 200 एथलीटों को पुरस्कार राशि के रूप में 25 करोड़ रुपये वितरित कर चुकी है।'' मुख्यमंत्री ने दिव्यांग खिलाड़ियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं और पिछले वर्ष ही सरकार ने पांच दिव्यांग खिलाड़ियों को नौकरियां दी हैं।

उन्होंने कहा, इस बार मुख्यमंत्री ने खेल विभाग के माध्यम से 20 दिव्यांग खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। हम इसे जरूर हासिल करेंगे।

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और कलाकारों ने लोकप्रिय तमिल अभिनेता 'रोबो' शंकर को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, अभिनेता-सांसद कमल हासन, अभिनेता सत्यराज, धनुष और शिवकार्तिकेयन सहित कई फिल्मी हस्तियों ने शुक्रवार को लोकप्रिय तमिल अभिनेता और स्टैंड-अप कॉमेडियन 'रोबो' शंकर को श्रद्धांजलि दी, जिनका 18 सितंबर की रात स्वास्थ्य समस्याओं के कारण निधन हो गया था। अपने नृत्य से प्रसिद्धि पाने वाले 46 वर्षीय शंकर का उपनाम रोबो था। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं।

'रोबो' शंकर का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि वह कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। हाल ही में, उन्हें पीलिया हुआ था। 16 सितंबर को शंकर एक फिल्म के सेट पर बेहोश हो गए और उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां बृहस्पतिवार रात उनका निधन हो गया। अस्पताल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि पेट की एक जटिल बीमारी के कारण जठरांत्र संबंधी रक्तस्राव और कई अंगों के काम करना बंद करने के कारण उनका निधन हो गया। टेलीविजन की दुनिया की जानीमानी हस्ती शंकर को उनकी मिमिक्री' के लिए भी जाना जाता है। वह तमिल टीवी रियलिटी शो कलक्का पोवाथु यारु? में भी दिखाई दिए थे।

उन्होंने विजय सेतुपति की फिल्म 'इधरकुठाने आसाइपट्टई बालाकुमारा' में अभिनय किया था और उन्हें 'मारी', 'वेलैनु वंधुट्टा वेल्लईकरन', 'विश्वासम' और 'सिंगापुर सैलून' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता था। उन्होंने डिज्नी की 'द लायन किंग' और 'मुफासा: द लायन किंग' के तमिल संस्करण के लिए डबिंग कलाकार के रूप में काम किया और पुंबा के किरदार को अपनी आवाज दी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अभिनेता रोबो शंकर के निधन की खबर सुनकर उन्हें दुख हुआ। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि ने शंकर के आवास पर उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि शंकर ने अपने करियर की शुरुआत एक रंगमंच कलाकार के रूप में की और छोटे पर्दे पर सफलता हासिल की। उदयनिधि ने कहा, उन्होंने फिल्मों में अपनी यथार्थवादी कॉमेडी से तमिल लोगों का मनोरंजन किया। मैं उनके परिवार, दोस्तों और फिल्म जगत के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं, जो उनके निधन से शोकाकुल हैं।

मक्कल निधि मय्यम पार्टी के संस्थापक और सांसद कमल हासन ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए अमर रहेगा। अभिनेता-राजनेता विजय ने शंकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शंकर ने अपने हास्य-बोध से छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी एक खास जगह बनाई थी।

तमिलगा वेत्री कझगम राजनीतिक पार्टी के संस्थापक विजय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वह एक सज्जन व्यक्ति थे जो सभी के साथ प्यार से पेश आते थे। अभिनेता कार्थी ने 'एक्स' पर कहा, यह देखकर दुख होता है कि विनाशकारी फैसले समय के साथ कैसे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एक बेहतरीन प्रतिभा बहुत जल्दी चली गई। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी और कामराजार पोर्ट लिमिटेड ने मनाया हिंदी दिवस

चेन्नई। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने कामराजर पोर्ट लिमिटेड के सहयोग से गुरुवार को चेन्नई पोर्ट के कॉन्फ्रेंस हॉल में हिंदी दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में याद करते हुए और आधिकारिक एवं सांस्कृतिक संचार में इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्टेला मैरिस कॉलेज की भाषा विभागाध्यक्ष डॉ. श्रावणी भट्टाचार्य उपस्थित थीं। समारोह की अध्यक्षता चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष और कामराजर पोर्ट लिमिटेड के चेयरमैन सुनील पालीवाल, आईएएस; कामराजर पोर्ट लिमिटेड की प्रबंध निदेशक आयरीन सिंथिया, आईएएस; दोनों बंदरगाहों के मुख्य सतर्कता अधिकारी एस. मुरलीकृष्णन, आईडीएएस; चेन्नई पोर्ट के सचिव इंद्रनील हाज़रा; कामराजर पोर्ट लिमिटेड के महाप्रबंधक यतिन पटेल तथा अन्य विभागाध्यक्ष, दोनों बंदरगाहों के अधिकारी, कर्मचारी, तथा चेन्नई पोर्ट स्कूल के शिक्षक और स्कूली बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत सचिव इंद्रनील हाज़रा के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद स्कूली बच्चों ने शिव तांडवम नृत्य, कविता पाठ और केजी नृत्य सहित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के दौरान गृह पत्रिका 'सागर सलोनी' का आधिकारिक विमोचन किया गया।

जेआईपीएमईआर में 'बर्न मैनेजमेंट' पर हैंडबुक का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मध्यावधि एनएबीआई (नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स, इंडिया) सीएमई और कार्यशाला के दौरान, बर्न प्रबंधन पर एक व्यापक पुस्तिका जारी की गई, जिसका केंद्रीय विषय था बर्न प्रबंधन के लिए समग्र दृष्टिकोण। हैंडबुक का विमोचन करते हुए, जिपमेर के निदेशक डॉ. वीर सिंह नेगी ने आधुनिक बर्न केयर के महत्व पर ज़ोर दिया और बर्न ट्रीटमेंट और अनुसंधान, दोनों में जिपमेर के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने गर्व के साथ यह भी घोषणा की कि जिपमेर बर्न सेंटर को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अनुमोदित किया गया है और भारत में स्किन बैंकिंग की महत्वपूर्ण और तत्काल आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित किया।

वक्ताओं के प्रतिष्ठित पैनल में एनएबीआई के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के साथ-साथ चेन्नई और पुदुचेरी के विभिन्न क्षेत्रीय विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने बर्न मैनेजमेंट में नवीनतम प्रगति और प्रौद्योगिकी के मूलभूत सिद्धांतों पर विचार-विमर्श किया। सीएमई में 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें प्लास्टिक सर्जन, विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं के स्नातकोत्तर, स्नातक, नर्सिंग छात्र और नर्सिंग कर्मी शामिल थे। इस अंतर-विषयक उपस्थिति ने ज्ञान के आदान-प्रदान और इंटरैक्टिव कार्यशाला के माध्यम से सहयोग के लिए एक समृद्ध वातावरण तैयार किया। कार्यशाला में चार व्यावहारिक केंद्र थे जो बर्न्स में एबीसी, प्राथमिक उपचार और प्रारंभिक मूल्यांकन, बर्न्स में स्प्लिंटिंग और फिजियोथेरेपी और बर्न्स में ड्रेसिंग पर प्रशिक्षण प्रदान करते थे। प्रतिनिधियों की उत्साही भागीदारी ने कार्यशाला को एक बड़ी सफलता बना दिया और अमूल्य व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

जेआईपीएमईआर को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त है और वह समुदाय और राष्ट्र के लाभ के लिए बर्न केयर में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्लास्टिक सर्जरी विभाग और जिपमर टर्शियरी बर्न सेंटर द्वारा विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. फ्रिजी एमटी के नेतृत्व में सीएमई और कार्यशाला का सावधानीपूर्वक आयोजन किया गया।

पुडुचेरी केंद्रीय कारागार में तलाशी के बाद विल्लियानूर बम विस्फोट मामले में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बृहस्पतिवार को पुडुचेरी में केंद्रीय कारागार सहित चार स्थानों पर व्यापक तलाशी के बाद 2023 के विल्लियानूर बम विस्फोट और हत्या मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

एनआईए ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हेराम उर्फ कार्थी उर्फ टीआर और उदयकुमार उर्फ ङ्कङ्कुमार के रूप में हुई है, जिन्हें संरक्षित गवाहों के नाम और अन्य विवरण सहित संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

यह मामला 2023 में विल्लियानूर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पदाधिकारी सेंथिल कुमारन की नृशंस हत्या से संबंधित है। उसी वर्ष 26 मार्च की रात लगभग 9.30 बजे, बाइक सवार छह हमलावरों ने पीड़ित पर एक देसी बम फेंका था और फिर उसे चाकू और छुरों से काटकर मार डाला था।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India भारत सरकार का उपक्रम A Government of India undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय - कांचीपुरम
नं. 46 ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम-631501

लीज पर परिसर की जरूरत

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **सलामेदु शाखा को स्थानांतरित करने हेतु** किराए / लीज के आधार पर वैकल्पिक परिसर की जरूरत है। इसके लिए बैंक को एक सुव्यवस्थित वाणिज्यिक परिसर चाहिए है, जो निम्नलिखित स्थिति में हो: खाली भूखंड पर निर्मित / निर्माणाधीन / या तैयार स्थिति में हो। परिसर अधिमानतः भूतल पर हो, जिसका फ्रंटेज अच्छा हो, मुख्य सड़क की ओर मुख वाला हो, स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाला हो तथा पर्याप्त पार्किंग स्थान उपलब्ध हो। इसके अतिरिक्त अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हों।

भूस्वामी को आरबीआई के विनिर्देशों के अनुसार **स्ट्रांग रूम** का निर्माण अपने खर्च पर कराना होगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट पर जाएं। उपर्युक्त सुविधाओं से युक्त परिसर **विल्लुपुरम जिले के सलामेदु विल्लुपुरम** और उसके आसपास के क्षेत्र में चाहिए। विवरण इस प्रकार हैं:

शाखा का नाम	कार्पेट एरिया चाहिए (स्ट्रॉन्ग रूम एरिया सहित)	बोली शुरू होने की तिथि	पूर्व-बोली बैठक की तिथि	बोली समाप्त होने की तिथि	बोली खुलने की तिथि
सलामेदु शाखा	1400 sq.ft. (± 10%)	20.09.2025 को सुबह 10:00 बजे	23.09.2025 को सुबह 11:00 बजे	06.10.2025 को दोपहर 3:00 बजे	06.10.2025 को शाम 4:00 बजे

संभावित मकानमालिक, जो स्वयं मालिक हों या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार रखते हों, वे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम से तकनीकी बोली / मूल्य बोली के प्रपत्र कार्यालय समय के दौरान नं. 46 ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम - 631501 से प्राप्त कर सकते हैं या फिर बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in अथवा https://eprocure.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। उन्हें अपनी तकनीकी बोली और मूल्य बोली दो अलग-अलग बंद लिफाफों में प्रस्तुत करनी होंगी, जिन पर क्रमशः तकनीकी बोली और मूल्य बोली स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। इन दोनों लिफाफों को एक तीसरे बड़े लिफाफे में डालकर, उस पर स्पष्ट रूप से यह लिखा होना चाहिए: **सलामेदु में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा के लिए लीज / किराए के आधार पर परिसर का प्रस्ताव। यह निविदा 06.10.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक** यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, कांचीपुरम, नं. 46 ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम - 631501 पर जमा हो जानी चाहिए। **तकनीकी बोलियां 06.10.2025 को शाम 4.00 बजे** उपर्युक्त पते पर मकानमालिक या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। किसी भी दलाल या बिचौलिए को अनुमति नहीं दी जाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी / अर्द्ध-सरकारी संस्थाओं द्वारा लीज पर दिए जाने वाले परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई कारण बताए प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्र प्रमुख

ब्रह्मोत्सवों के लिए सभी स्तरों पर तैयारी की बैठक : टीटीडी के ईओ

तिरुमला/चेन्नई। तिरुमला की पवित्रता बनाए रखना और साधारण भक्तों को बिना किसी परेशानी के दर्शन उपलब्ध कराना आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का मुख्य निर्देश है और हम सभी आगामी सालकाटला ब्रह्मोत्सवों में इसे पूर्ण रूप से लागू करने के लिए कार्य कर रहे हैं। यह बात टीटीडी ईओ अनिल कुमार सिंगल ने कही। शुक्रवार को तिरुमला स्थित अन्नमय्या भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि इस संबंध में टीटीडी विभागाध्यक्षों, जिला प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और अतिरिक्त ईओ श्री च. वेंकैया चौधरी के साथ अंतिम समीक्षा बैठक की गई।

उन्होंने कहा कि ब्रह्मोत्सवों के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों ने मिलकर सूक्ष्म स्तर की योजना तैयार की है। पारंपरिक कोइल अलवार तिरुमंजनम, आभूषणों की सफाई और वाहन परीक्षण पूरे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री 24 सितंबर को ध्वजारोहण के दिन पट्टु वस्त्र अर्पित करेंगे और 25 सितंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। सिविल इंजीनियरिंग कार्यों पर 9.5 करोड़ और विद्युत रोशनी पर 5.5 करोड़ व्यय किया गया है। पुष्प सजावट पर 3.5 करोड़ की लागत आएगी जो पूरी तरह से दान से होगी और इसके लिए लगभग 60 टन फूलों का उपयोग किया जाएगा। स्वच्छता व्यवस्था के लिए नौ दिनों तक अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस)
(जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान), भारत सरकार
गेट नं. 5, जीवन तारा बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

भर्ती अधिसूचना

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय स्टाफ चयन परीक्षा (ESSE)-2025

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (NESTS) द्वारा देशभर में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (EMRSs) में शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। रिक्तियों का विवरण इस प्रकार है:-

प्रधानाचार्य (225), स्नातकोत्तर शिक्षक (PGTs) (1460), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGTs) (3962), महिला स्टाफ नर्स (550), छात्रावास वार्डन (पुरुष/महिला) (635), लेखाकार (61), कनिष्ठ सचिवालय सहायक (JSA) (228), प्रयोगशाला परिचर (146)।

ESSE-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य पात्रता मानदंड से संबंधित विस्तृत जानकारी सूचना बुलेटिन में उपलब्ध है, जिसे "www.nests.tribal.gov.in" से प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 23/10/2025 (रात्रि 23:50 बजे) तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी अपडेट के लिए "www.nests.tribal.gov.in" पर अवलोकन करें।

जारीकर्ता: NESTS

अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था हमारी प्राथमिकता : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा आने वाले समय में इस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री पुलिस अकादमी में राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अकादमी में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल कानून की जानकारी प्राप्त होती है, बल्कि आपसी संवाद, सहयोग और टीम भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि यही बुनियादी प्रशिक्षण पुलिस के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देता है और उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाता है।

शर्मा ने कहा, पुलिस कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में एक नया प्रशिक्षण भवन बनाया जाएगा। इससे साइबर अपराध, आर्थिक अपराधों आदि से संबंधित मामलों में पुलिस को बेहतर तकनीकी प्रशिक्षण, संसाधन और आधारभूत ढांचा मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के लिए महिला सशक्तीकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है और राजस्थान पुलिस में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा, आज के 76 प्रशिक्षु अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल हैं, जो अत्यंत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि महिला अधिकारी न केवल पुलिस बल का अहम हिस्सा हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं, क्योंकि महिलाएं अपनी समस्याएं महिला पुलिस अधिकारियों से बेझिझक साझा कर पाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, वर्तमान में अपराध का तरीका तेजी से बदल रहा है। संगठित अपराध, साइबर अपराध और डिजिटल युग की नयी-नयी चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस को निरंतर सतर्क, हर जानकारी परिचित और प्रशिक्षित रहना होगा। उन्होंने कहा कि पारंपरिक पुलिसिंग के साथ-साथ अब तकनीकी कुशलता, साइबर सुरक्षा की जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक की समझ भी पुलिस के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा, ईमानदारी पुलिस के लिए सबसे शक्तिशाली हथियार है।

पुलिस को किसी भी दबाव में आए बिना धैर्य और संयम से कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में सरकार ने कई ठोस कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप अपराध दर में कमी आई है। उन्होंने बताया, 2023 से अब तक कुल अपराधों में 19.45 प्रतिशत, अनुसूचित जातियों के खिलाफ अत्याचार में 17.80 प्रतिशत, अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अत्याचार में 18.77 प्रतिशत और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 9.24 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने समारोह में कहा कि राजस्थान पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और न्याय व्यवस्था को लागू करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि नवीनतम चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रौद्योगिकी नवाचार, त्वरित अनुसंधान और कार्यकुशलता में निरंतर सुधार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरस्कार भी प्रदान किए और उनके साथ सामूहिक फोटो खिंचवाया। इससे पूर्व उन्होंने दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया और परेड की सलामी ली।

डीएमएफटी फंड से जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण संस्था पीपुल फोर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी एवं पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन का ध्यान खींचते हुए मांग की है कि भीलवाड़ा जिले में लंबे समय से जर्जर पड़े विद्यालय भवनों की तत्काल मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड से कराये जाने चाहिए।

जाजू ने शुक्रवार को भीलवाड़ा जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, सांसद दामोदर अग्रवाल एवं विधायक अशोक कोठारी सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट करते हुए अपने बयान में यह मांग की। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा जिले में लंबे समय से जर्जर पड़े विद्यालय भवनों की तत्काल मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य कराया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि इसके लिए डीएमएफटी फंड का उपयोग किया जाना चाहिए, जिससे शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में डीएमएफटी फंड में दो हजार करोड़ से अधिक राशि जमा है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यालय भवन मजबूत और व्यवस्थित होंगे तो अध्ययन का वातावरण भी बेहतर और उत्साहजनक बनेगा। जाजू ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा चिह्नित किए गए जर्जर विद्यालयों को शीघ्र गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराए जाने की आवश्यकता है। भवन के अभाव में अनेक विद्यालयों में विद्यार्थी खुले में पढ़ने को मजबूर हैं।

उन्होंने कहा कि हाल में झालावाड़ जिले में एक विद्यालय भवन की छत गिरने से सात मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। उन्होंने कहा कि उनकी इस मांग का उद्देश्य भविष्य में झालावाड़ जैसी कोई घटना दोहराई न जाए और विद्यार्थी सुरक्षित माहौल में शिक्षा ग्रहण कर सके हैं।

मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा की फीस कम करने सहित कई फैसलों को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी (राजमेस) के मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा की फीस कम करने, दिवंगत कर्मचारियों के माता-पिता व दिव्यांग संतान के लिए पारिवारिक पेंशन के प्रावधानों के सरलीकरण सहित कई फैसलों को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में विश्व स्तरीय खेल प्रतिभाएं तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर विधेयक लाने को भी मंजूरी दी गयी। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैरवा ने बताया कि बैठक में 'द महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर विधेयक-2025' के प्रारूप को मंजूरी दी गयी।

यह विधेयक, विधानसभा के आगामी सत्र में पेश किया जाएगा। वर्ष 2024-25 के बजट में प्रदेश में खेलों और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए प्रतिभाशाली युवाओं को आधुनिक उपकरणों के साथ वैज्ञानिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, विभिन्न खेलों के उच्चस्तरीय कोच एवं खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा की गई थी। डॉ. बैरवा ने बताया कि यह विश्वविद्यालय खेल विज्ञान, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेन्स एनालिटिक्स पर शोध को बढ़ावा देगा, जिससे खेलों की गुणवत्ता और खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आएगा।

यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप खेलों के विकास के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में भी काम करेगा और राज्य की खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निखारने का काम करेगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राजमेस के कॉलेजों में एनआरआई कोटा सीट की फीस को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधन का निर्णय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, राजमेस कॉलेजों में एनआरआई सीट की फीस को मैनेजमेंट कोटा की फीस का ढाई गुना किया गया है।

इस संशोधित व्यवस्था से वर्ष 2025-26 प्रवेश सत्र में एनआरआई सीट की फीस घटकर लगभग 23.93 लाख रुपए प्रतिवर्ष रह जाएगी, जो निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की औसत फीस के लगभग बराबर है। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि 5,200 मेगावॉट क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सशर्त कीमत भूमि आवंटित करने को भी मंजूरी प्रदान की गयी। इन इकाइयों की स्थापना से राज्य में अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन भी होगा।

आत्मनिर्भरता से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने खैरथल-तिजारा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आत्मनिर्भरता पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल चरखे से केवल कपड़ा बनाना नहीं बल्कि चरखे से चंद्रमा तक पहुँचना है। उन्होंने बताया कि कोविड काल में 140 करोड़ लोगों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर भारत ने आत्मनिर्भरता का परिचय दिया, वहीं इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे, नेशनल हाईवे, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक क्षेत्र में व्यापक विकास संभव हुआ है।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, जिला प्रशासन एवं लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में 12वाँ इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2025 का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, विचार एवं उपलब्धियों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया और उसका अवलोकन किया। तत्पश्चात उन्होंने आधिकारिक रूप से 12वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का उद्घाटन किया और मेले में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली।

भूपेंद्र यादव ने कहा कि लघु उद्योग भारती राष्ट्रीय विचारधारा के अनुरूप नॉलेज शेयरिंग, स्किल डेवलपमेंट और व्यापार वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जन विश्वास बिल, ग्रीन क्रेडिट योजना और जीएसटी के सरलीकरण जैसे कदम उठाए हैं। ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत औद्योगिक इकाइयां वनों का विकास करके ग्रीन क्रेडिट कमा सकेंगी, जो ट्रांसफरेबल भी होगा। वहीं जीएसटी को 5: और 18: के दो ही स्लैब में बांटने से आमजन को राहत मिलेगी। एमएसएमई सेक्टर में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और विभिन्न अभियानों के जरिए बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हुआ है।

उन्होंने बताया कि भिवाड़ी के विकास हेतु एकीकृत एजेंसी भिवाड़ी डेवलपमेंट अथॉरिटी का गठन किया गया है, जो स्वच्छता एवं विकास के लिए समर्पित है। औद्योगिक इकाइयों के दूषित पानी के उपचार हेतु 6 एमएलडी सीईटीपी स्थापित की गई है जिससे गंदे पानी को शोधित कर पुनः उपयोग में लिया जाएगा, वहीं घरेलू दूषित पानी के निस्तारण के लिए 34 एमएलडी एसटीपी का कार्य प्रगति पर है। वर्षा के समय पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले पानी के निस्तारण हेतु एनीकट और सराय खुर्द बांध का उपयोग किया जाएगा। नेशनल हाईवे पर जलभराव की समस्या के समाधान हेतु केंद्रीय सड़क मंत्री के निर्देश पर एनएचएआई और दोनों राज्यों के अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक आगामी माह में आयोजित की जाएगी। साथ ही नीमराना-भिवाड़ी लिंक रोड का कार्य भी तेज गति से प्रगति पर है।

उन्होंने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र में 108 ई-गुरुकुल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को कॅरियर निर्माण, डिजिटल कोर्सेज, नई तकनीकों की ट्रेनिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधाएं मिलेंगी। यह योजना राजस्थान समग्र शिक्षा अभियान के सहयोग से एमओयू के तहत चलाई जाएगी जिसमें देश की प्रमुख डिजिटल कंपनियों के कोर्स उपलब्ध होंगे। युवाओं की क्षमता निर्माण हेतु लघु उद्योग भारती के सहयोग से स्किल सेंटर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही भिवाड़ी में स्पोर्ट्स स्टेडियम और नया गवर्नमेंट हॉस्पिटल भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा जिससे क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

अखिल भारतीय संगठन मंत्री, लघु उद्योग भारती प्रकाशचंद ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र के सतत विकास के लिए नैतिकता और गुणवत्ता का समायोजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें मानवीय मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारी भी निहित होनी चाहिए। औद्योगिक इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे परंपरागत उद्योगों ने समय के साथ नई तकनीक और नवाचार को अपनाकर देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दिया है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता, कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दें।

उदयपुर जिले में अति भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में एक नए परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से बीते चौबीस घंटे में अति भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुवार इस नए परिसंचरण तंत्र के कारण बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान के उदयपुर जिले में अतिभारी तथा चित्तौड़गढ़ व प्रतापगढ़ जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। इसी दौरान राज्य के कुछ अन्य स्थानों पर भी हल्की से मध्यम बारिश हुई। इसने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। सर्वाधिक 117.0 मिलीमीटर बारिश मावली (उदयपुर) में हुई। चूरू में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इस तंत्र के प्रभाव से 22 सितंबर तक भरतपुर, कोटा, उदयपुर और जयपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर और जोधपुर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी दिनों में मौसम मुख्यतः शुष्क बने रहने की प्रबल संभावना है।

ओम बिरला ने बूंदी के बाढ़ प्रभावित गांवों में राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को बूंदी जिले के बाढ़ प्रभावित कई गांवों का दौरा किया और वहां जारी राहत एवं पुनर्वास प्रयासों की समीक्षा की। ख्यावदा गांव में, जब कलेक्टर अक्षय गोदारा ने उन्हें सर्वेक्षण रिपोर्ट दिखाई, तो बिरला ने उनसे नुकसान का सही और स्पष्ट विवरण दर्ज करने को कहा। एक स्थानीय जनप्रतिनिधि ने बिरला को बताया कि 138 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं, जबकि 211 आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। बिरला ने जिले के ख्यावदा, रिहाना, देलुंडा और मालियों की बाड़ी गांवों का दौरा किया और प्रभावित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि सर्वेक्षण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और प्रशासन तथा जनप्रतिनिधि उनके साथ पूरी तरह से खड़े हैं।

सेवा शिविर बना नई शुरुआत का मंच, 70 साल पुराने भूमि विवाद का हुआ समाधान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्यभर में संचालित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत जसवंतपुरा के लिए एक ऐतिहासिक पल लेकर आया। लगभग 70 वर्षों से चले आ रहं खातेदारी भूमि विवाद का समाधान यहाँ आपसी सहमति से हो गया। सात दशकों से लंबित विवाद पर लगी समाधान की मुहर- गाँव के डूंगरराम, त्रिलोकराम, पपली देवी, भूराराम, निंबाराम, मेघाराम और शोभाराम की कुल 2.5161 हेक्टेयर भूमि वर्षों से विवादों में उलझी हुई थी। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चल रहे इस मामले में बंटवारा संभव नहीं हो पा रहा था। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित प्री-कैंप में राजस्व अधिकारियों ने सभी खातेदारों को सहमति विभाजन हेतु समझाइश की। विवाद के समाधान पर खातेदारों ने भावुक होते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल ज़मीन का बंटवारा नहीं, बल्कि शांति, राहत और नई उम्मीद की शुरुआत है।

आमजन के लिए राहत का माध्यम बन रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर : पंत

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर आमजन के लिए राहत का माध्यम बन रहे हैं ऐसे में संबंधित सभी विभाग समन्वय से काम कर आमजन की अधिकाधिक समस्याओं के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाले आवेदकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन का इन शिविरों के प्रति विश्वास मजबूत हो।

पंत शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित कमेटी ऑफ़ सेक्रेटरीज (सीओएस) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने 17 सितम्बर से प्रदेशभर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रतिदिन आयोजित किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने गत दो दिवसों में प्रदेश में संपन्न हुए इन कार्यक्रमों और शिविरों की जिलेवार एवं विभागवार प्रगति की समीक्षा की।

पंत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदन एवं उनमें से निस्तारित आवेदनों के साथ ही लंबित आवेदनों की भी मॉनिटरिंग की जाए। हर शिविर की प्रतिदिन पृथक मॉनिटरिंग कर प्रगति का आकलन किया जाए। जिलों के प्रभारी सचिव और जिला कलेक्टर इन शिविरों के माध्यम से आमजन के लंबित प्रकरणों के लक्ष्य की प्राप्ति को सुनिश्चित करें। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों से शिविरों के निर्बाध संचालन के संबंध में चर्चा की।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि शिविर में आने के बाद आवेदक की समस्या का शिविर में ही पूर्ण निस्तारण हो सके, इसके लिए आवश्यक सभी तकनीकी सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाए। आमजन को शिविरों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए सम्बंधित अधिकारी जागरूकता की दिशा में विशेष प्रयास करें। पंत ने प्रदेश में सेवा पखवाड़ा के तहत प्रतिदिन आयोजित होने वाले विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के सबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की।

ग्रामीण सेवा शिविर बने आत्मनिर्भरता का सेतु

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्यभर में संचालित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर ने कई लोगों के जीवन में नई रोशनी जगाई है। ऐसी ही प्रेरक सफलता की कहानी है जयपुर जिले की ग्राम पंचायत अमरपुरा निवासी हेमचन्द पुत्र भूरा राम की। हेमचन्द लंबे समय से बेरोजगारी और कौशल की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना कर रहा था। गांव में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में उसे प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी मिली। शिविर में उसे न केवल योजना की पात्रता एवं लाभ की जानकारी दी गई बल्कि आवेदन कराने में भी सहयोग मिला। हेमचन्द को शिविर ने ही बेसिक प्रशिक्षण और नि:शुल्क औजार दिए गए, इसी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के माध्यम से उसे तीन लाख रुपये का सुलभ ऋण स्वीकृत हुआ। अब हेमचन्द मोटर वाइंडिंग का कार्य कर करेगा। हेमचन्द की कहानी उदाहरण है, शिकायत करने के बजाय मौके को पहचान कर आगे बढ़ने की और ग्रामीण सेवा शिविर उदाहरण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को विश्व शक्ति बनाने का काम संभव कर दिखाया : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाली केंद्र की पिछली सरकारें भारत को विश्व शक्ति बनाने में नाकाम रहीं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे संभव कर दिखाया।

योगी ने कहा, ''पिछले 11 साल में हमने भारत को बदलते देखा है। पिछली सरकारों के लोग, जो खुद को धर्मनिरपेक्ष कहते थे, अपनी सरकारों में भारत को विश्व शक्ति बनाने के लिए असंभव शब्द जोड़ देते थे। इस असंभव को पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभव कर दिखाया है, जिन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के मंत्र को आत्मसात किया है।'' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा, पिछली सरकारों में भारत को ताकतवर बनाने की दिशा में 'असंभव' शब्द जुड़ा था। उत्तर प्रदेश की स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि आजादी के समय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला राज्य 2017 तक देश की आठवीं अर्थव्यवस्था बनकर रह गया। लेकिन 'डबल इंजन' सरकार ने सूबे को फिर से देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा, कश्मीर को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने देश के लिए 'नासूर' बना दिया था। कभी लोग कहते थे कि धारा 370 हटाना असंभव है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसे संभव कर दिखाया। इसी तरह राममंदिर को लेकर जो संकल्प था, वह भी मोदी सरकार ने पूरा किया। उन्होंने कहा, याद कीजिए लोग कहते थे कि क्या कश्मीर से अनुच्छेद 370 कभी हट पाएगा लेकिन आज उसे भारत का अभिन्न अंग बनाने का महान काम किया जा चुका है। योगी ने कहा कि पंडित दीन दयाल जी का मंत्र था कि भारत की अर्थनीति का आधार स्वदेशी होना चाहिए और यही कारण है कि आज एक जिला एक उत्पाद योजना और 'वोकल फॉर लोकल' अभियान से लाखों कारीगरों व शिल्पकारों को रोजगार मिला है। उन्होंने लोगों से आने वाले त्योहारों में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपहार देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा, विदेशी सामान के बजाए हमें अपने स्थानीय उत्पादों को खरीदना चाहिए ताकि पैसा हमारे कारीगरों और किसानों तक पहुंचे, न कि आतंकवाद और नक्सलवाद फैलाने वाली ताकतों के पास। उन्होंने कहा, स्वदेशी है तो स्वावलंबन है, स्वावलंबन हैं तो स्वाधीनता बनी हुई है और स्वाधीनता है तो हमे सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता।

मुकेश अंबानी ने गयाजी में किया पिंडदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गयाजी/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। अरबपति उद्योगपति शाम को अपने बेटे अनंत अंबानी के साथ शहर में पहुंचे।

मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल ने कहा, ''मुकेश अंबानी ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए फल्गु नदी के तट पर और विष्णुपद मंदिर में पिंडदान और जल तर्पण किया।''

इस साल छह सितंबर से पितृ पक्ष शुरू हुआ है। पितृ पक्ष के दौरान गयाजी में पितृ पूजा और पिंडदान करना बेहद शुभ माना जाता है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इससे पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और पूर्वजों को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिलती है।

हर साल पितृ पक्ष के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू भक्त विष्णुपद मंदिर में ये अनुष्ठान करने आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि अंबानी के दौरे को देखते हुए शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी।

ओडिशा में 25 नई औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने शुक्रवार को 4,739 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 25 औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय एकल खिड़की स्वीकृति प्राधिकरण (एसएलएसडब्ल्यूसीए) की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं से खुर्दा, जाजपुर, कटक, संबलपुर, झारसुगुड़ा, गंजाम, मयूरभंज, अंगुल और गजपति जिलों में करीब 25,200 लोगों के लिए रोजगार सृजित होने की संभावना है। सरकारी बयान के अनुसार, नवीनतम मंजूरी में वस्त्र, इस्पात, रसायन, आईटी, अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, कोल्ड स्टोरेज और पूंजीगत सामान सहित 13 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। एक बयान में राज्य सरकार ने कहा कि गतिशील शासन, रणनीतिक दूरदर्शिता और व्यापार को आसान बनाने वाले मजबूत नीतिगत ढांचे के कारण ओडिशा तेजी से पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

'मोदानी घोटाले' के सभी परतों की जांच की आवश्यकता : अदाणी को सेबी की क्लीन चिट पर कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। हिंडनबर्ग मामले में अदाणी समूह को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) की क्लीन चिट मिलने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि ''घोटाले'' के सभी परतों की जांच की आवश्यकता है क्योंकि यह बाजार नियामक की जांच की सीमाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि सुनियोजित हेडलाइन के विपरित, ''मोदानी एंटरप्राइजेज'' में वाणिज्यिक साझेदार को उच्चतम न्यायालय द्वारा अनिवार्य जांच के तहत जांच किये जा रहे 20 मामलों में से केवल दो मामलों में अभी सेबी से ''क्लीन चिट'' मिली है।

रमेश ने कहा कि ''मोदानी घोटाले'' के सभी परतों की जांच की आवश्यकता है। उन्होंने प्रश्नों की एक शृंखला भी साझा की जिसे पार्टी ने ''हम अदाणी के हैं कौन (एचएएचके) में पूछे हैं तथा कहा कि ये अब तक अनुत्तरित हैं। कांग्रेस नेता ने उल्लेख किया कि शीर्ष अदालत ने 2 मार्च 2023 को सेबी को निर्देश दिया था कि वह हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद ''दो महीने के भीतर जांच पूरी करे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन बार-बार बढ़ाई गई समयसीमा और देरी के बाद सेबी का पहला आदेश आने में पूरे दो साल सात महीने लग गए।'' रमेश ने कहा, ''अब हम सेबी की उन शेष 22 मामलों पर रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिनमें अदाणी समूह की कंपनियों में भेदिया कारोबार के आरोप, न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग से संबंधित नियमों के उल्लंघन वे 13 ''संदिग्ध लेन-देन'' शामिल हैं, जिनकी जांच के बारे में सेबी ने 25 अगस्त 2023 को शीर्ष अदालत को बताया था। इनमें अदाणी के करीबी सहयोगी नासिर अली शबान अहली और चांग चुंग-लिंग के विदेशों में सौदे शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि हालांकि ''मोदानी घोटाला सेबी की जांच की सीमाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ है।''

जनसुनवाई से यूरेनियम खनन की छूट से मेघालय के आदिवासियों में चिंता बढ़ गयी

शिलांग/भाषा। यूरेनियम खनन को अनिवार्य जन परामर्श से छूट देने वाले केंद्र के हालिया कार्यालय परिपत्र (ओएम) ने यूरेनियम खनिज से समृद्ध मेघालय में चिंता बढ़ा दी है, जहां खनिज निकालने के पिछले प्रयासों को बार-बार स्थानीय प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने आठ सितंबर को यह ओएम जारी किया, जिसमें खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के तहत यूरेनियम समेत परमाणु खनिजों तथा महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के खनन को सार्वजनिक सुनवाई से बाहर रखा गया है। मेघालय देश के सबसे बड़े यूरेनियम भंडारों में से एक है। खासकर राज्य के डोमियासियाट, वाहकाजी और पश्चिमी खासी हिल्स जिले के आसपास के क्षेत्रों में यूरेनियम भंडार हैं। नेशनल पीपुल्स यूथ फ्रंट (एनपीवाईएफ) ने शुक्रवार को खासी पर्वतीय स्वायत्त जिला परिषद (केएचएडीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) शेम्बोरलांग रिन्जा से आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए छठी अनुसूची के प्रावधानों को लागू करने की अपील की। एनपीवाईएफ के कार्यकारी अध्यक्ष बाजोप पिंग्रोप ने कहा कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जाएगी और परिषद के अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा।

भाजपा विधायक ने सबका डीएनए एक बता गैर हिंदुओं को सनातन धर्म में वापसी का प्रस्ताव दिया

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक ने गैर हिंदू धर्मावलंबियों को शारदीय नवरात्र और गरबा जैसे धार्मिक आयोजनों में शामिल होने और सनातन धर्म में वापसी का प्रस्ताव दिया है और कहा है कि सबके डीएनए में हिंदुओं का ही डीएनए है। भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने पहचान छुपा कर गरबा और नवरात्रि के आयोजनों में शामिल होने तथा कथित तौर पर 'लव जिहाद' की घटनाओं को अंजाम देने को लेकर छिड़े विवाद के बीच बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई मुसलमान या ईसाई, फिर से देवी की आराधना करना चाहता है तो एक चम्मच गंगाजल पिलाकर और तुलसी का पत्ता खिलाकर उन्हें हिंदू बनाया जा सकता है।

शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पहचान छुपा कर बहुत सारे गैर हिंदू गरबा और नवरात्रि के आयोजन में शामिल हो जाते हैं और इसमें कोई भी परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा, जिनको यह लगता है कि उनके मां-बाप से कोई भूल हो गई है, गलत धर्म में पैदा हो गए और वह हिंदू बनना चाहते हैं तो वह गरबा में आएं, माथे पर तिलक लगाएं, मां का प्रसाद खाएं, आरती उतारें, धोती कुर्ता पहन कर आएं।

पाकिस्तान के प्रति अटूट प्रेम के चलते ही कांग्रेस ने 26/11 के बाद भी कड़ी कार्रवाई नहीं की : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पड़ोसी देश के प्रति अपने 'अटूट प्रेम' के चलते ही कांग्रेस ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई 'कड़ी कार्रवाई' नहीं की।

भाजपा का यह बयान तब आया जब इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (कांग्रेस के प्रवासी मामलों के) प्रमुख सैम पित्रोदा ने भारत और उसके पड़ोसी देशों के संबंधों में उल्लेखनीय सुधार की वकालत करते हुए कथित तौर पर कहा कि पाकिस्तान की अपनी पिछली यात्रा के दौरान उन्हें वहां 'घर जैसा महसूस हुआ।' उनके इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, ''राहुल गांधी के खासमखास और कांग्रेस के प्रवासी मामलों के विभाग के प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस हुआ।' इसमें कोई हैरानी नहीं कि 26/11 के बाद भी (कांग्रेस नीत) तब सत्तारूढ़ संप्रग ने पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की।'' भंडारी ने पोस्ट किया, ''पाकिस्तान का पसंदीदा, कांग्रेस का चहेता।'' पित्रोदा की टिप्पणी पर भाजपा के अन्य प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस का पाकिस्तान से हमेशा से गहरा लगाव रहा है।'' पूनावाला ने कहा, ''उन्होंने (कांग्रेस के नेताओं ने) यासीन मलिक के जरिए हाफिज सईद से भी बात की। उन्होंने 26/11 हमला, समझौता एक्सप्रेस हमला, पुलवामा हमला और पहलगाम हमले में पाकिस्तान को क्लीन चिट दी।

यूरेनियम संपन्न झारखंड परमाणु हथियार निर्माण में योगदान दे सकता है : मुख्यमंत्री सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में यूरेनियम की बहुतायत है और यह परमाणु हथियारों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

सोरेन ने यहां आयोजित 'डिफेन्स ईस्ट टेक' संगोष्ठी में कहा कि राज्य सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए केंद्र के साथ पूरा सहयोग करने को तैयार है। सोरेन ने कहा, ''झारखंड यूरेनियम से समृद्ध है और परमाणु हथियार निर्माण में योगदान दे सकता है। राज्य सरकार रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र के साथ पूरा सहयोग करने को तैयार है।'' परमाणु हथियारों के निर्माण के लिए यूरेनियम एक महत्वपूर्ण घटक है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''रक्षा क्षेत्र में आप कोई नया आयाम जोड़ना चाहते हैं तो आप सभी लोग सरकार की तरफ़ से बिल्कुल अपनी चिंताए छोड़ दीजिए। सरकार के साथ वार्ता कीजिए, हर तरीक़े का, हर तरह से सहयोग करने के लिए हम तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज बहुत सौभाग्य की बात भी है कि यहां प्रमुख रक्षा अध्यक्ष भी उपस्थित हैं। और मुझे लगता है कि रक्षा क्षेत्र में उद्योग को बढ़ावा देने में इनका प्रयास जारी रहेगा। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यहां के उद्योग भी इस क्षेत्र में शामिल होंगे तथा यह कारवां बढ़ता चले जाएगा।'' रक्षा प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी 'ईस्ट टेक 2025' आज यहां खेलगांव स्टेडियम में शुरू हुई।

पूर्वी कमान और 'सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम)' द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'ईस्ट टेक 2025' पूर्वी क्षेत्र और भारतीय सेना में परिचालन संबंधी चुनौतियों पर काबू पाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन और एकीकरण का एक महत्वपूर्ण मंच है।

सन 1965 के युद्ध में तत्कालीन प्रधानमंत्री शास्त्री ने निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और भारतीय सैनिकों की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह राष्ट्र की ताकत की परीक्षा थी।

सिंह ने कहा कि शास्त्री जी के दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व के कारण ही भारत 1965 में अनिश्चितता और चुनौतियों का सामना करने में सफल रहा, क्योंकि उन्होंने न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरे राष्ट्र का मनोबल भी बढ़ाया। रक्षा मंत्री एक कार्यक्रम में 1965 के युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों और शहीद नायकों के परिजनों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस बात पर जोर देते हुए कि भारतीयों ने बार-बार यह साबित किया है कि देश अपना भाग्य स्वयं बनाता है, सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को इस दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे दुश्मनों को दिखा दिया कि हम कितने मज़बूत हैं। जिस समन्वय और साहस के साथ हमारी सेनाओं ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, वह इस बात का प्रमाण है कि जीत अब हमारे लिए कोई अपवाद नहीं है; यह हमारी आदत बन गई है। हमें इस आदत को हमेशा बनाए रखना चाहिए।'' हालाँकि, रक्षा मंत्री के संबोधन का मुख्य आकर्षण 1965 के युद्ध पर उनका अवलोकन था। सिंह ने कहा, ''कोई भी युद्ध केवल युद्ध के मैदान में नहीं लड़ा जाता; युद्ध में विजय पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का परिणाम होती है।'' उन्होंने कहा, ''1965 के उस दौर में, भारत अनिश्चितताओं और चुनौतियों का सामना करने में कामयाब रहा, जिसका श्रेय लाल बहादुर शास्त्री जी के दृढ़-इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व को भी जाता है। उन्होंने न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरे राष्ट्र का मनोबल भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।''

मणिपुर: मूल निवासियों की भूमि नहीं खरीद सकेंगे बाहरी व्यक्ति, बैनामे पर लगी रोक

इंफाल/भाषा। मणिपुर सरकार ने मूल निवासियों से बाहरी व्यक्तियों के नाम पर भूमि हस्तांतरण के लिए दस्तावेज के पंजीकरण (बैनामे) पर रोक लगा दी है। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

हालांकि, सरकार ने किसी मूल निवासी व्यक्ति (आदिवासी) से किसी गैर-स्थानीय निवासी व्यक्ति के नाम भूमि हस्तांतरित किये जाने से संबंधित दस्तावेज के पंजीकरण की अनुमति इस शर्त पर दी है कि भूमि खरीदार बाहरी व्यक्ति राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए। राज्य सरकार की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक अधिसूचना में भूमि संसाधन विभाग ने कहा, ''किसी मूल निवासी व्यक्ति से किसी बाहरी व्यक्ति को भूमि हस्तांतरण (उपहार, बिक्री या बंधक द्वारा) के लिए कोई भी दस्तावेज पंजीकृत नहीं किया जाएगा।''

राहुल गांधी जानबूझकर और योजना के तहत लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं : रविशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर चुनाव आयोग के खिलाफ 'वोट चोरी' के आरोप लगाने को लेकर शुक्रवार को तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि गांधी जानबूझकर और योजनाबद्ध तरीके से देश में लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वह योजनाबद्ध और सुनियोजित ढंग से लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।

बृहस्पतिवार को राहुल गांधी द्वारा 'एक्स' पर चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए गए 'वोट चोरी' संबंधी आरोपों का जिक्र करते हुए प्रसाद ने कहा, उन्होंने लिखा कि युवा, छात्र और 'जनरेशन ज़ेड' संविधान बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी रोकेंगे। इसका क्या मतलब है? वह देश में हिंसा को बढ़ावा देना चाहते हैं.. यह बेहद निंदनीय है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि गांधी लगातार सरकार और संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जैसे गरिमामय पद की मर्यादा को भी गिरा रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि चुनाव आयोग के खिलाफ राहुल गांधी का बार-बार आरोप लगाना यह दर्शाता है कि कांग्रेस को भारतीय लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि 2023 में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में सॉफ़्टवेयर के माध्यम से वोटरों के नाम हटाए गए और फर्जी आवेदन किए गए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रसाद ने कहा, मैं राहुल गांधी को सलाह देता हूं कि वे आरोप लगाने से पहले सही होमवर्क करें। चुनाव आयोग इस मामले की 2023 में ही जांच कर चुका है और जिन सवालों को वे आज उठा रहे हैं, उनका जवाब आयोग पहले ही दे चुका है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है, वहां की सरकार क्या कर रही थी? आलंद सीट से कांग्रेस का ही उम्मीदवार जीता और अब वे अपनी ही पार्टी के विधायक की जीत पर सवाल उठा रहे हैं! खैर, मामला अदालत में विचाराधीन है। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा, राहुल गांधी 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों पर सवाल उठाकर भारत के मतदाताओं के लोकतांत्रिक निर्णय का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस और उसके नेताओं को इसका जवाब जनता देगी। हम लोग उन्हें और उनकी पार्टी कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके जवाब देंगे। आगामी चुनावों में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

उम्मीद नहीं थी कि सत्र का अंत ऐसा होगा, लेकिन दमदार वापसी करूंगा: नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना उनके लिए सत्र के अंत की उम्मीद के अनुरूप नहीं था लेकिन वह ब्रेक के बाद दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछली बार के चैंपियन चोपड़ा गुरुवार को तोक्यो में 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए। इस दौरान वह पीठ दर्द से परेशान रहे। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि पीठ की समस्या इस महीने की शुरुआत से ही उन्हें परेशान कर रही थी, लेकिन वह इसे अपने खराब प्रदर्शन का कारण नहीं बताना चाहते थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे सचिन यादव की सराहना की, जिन्होंने 86.27 मीटर की शानदार थ्रो के साथ उनसे बेहतर प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहे।

चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, ''मैंने तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के साथ सत्र का इस तरह से अंत करने की उम्मीद नहीं की थी। मैं सभी चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था, लेकिन वह मेरा दिन नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''मैं सचिन के लिए बहुत खुश हूं, जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह लगभग पदक जीत ही गए थे। '' स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (88.16 मीटर) को मिला। उनके बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (87.38 मीटर) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (86.67 मीटर) का स्थान रहा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय चोपड़ा ने अधिक मजबूती हासिल करके दमदार वापसी करने का वादा किया। उन्होंने कहा, ''आप सभी के समर्थन के लिए आभारी हूं। इससे मुझे दमदार वापसी करने की प्रेरणा मिलती है।''

सुविचार

अगर ख्वाइश कुछ अलग करने की है तो दिल और दिमाग के बीच बगावत लाजमी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे मिटेगी भ्रष्टाचार की दीमक?

असम में एक महिला एसीएस अधिकारी की संपत्ति का उसकी आय के ज्ञात स्रोतों से 400 गुना ज्यादा पाया जाना इस बात का एक और ज्वलंत प्रमाण है कि देश में भ्रष्टाचारी बेलगाम होते जा रहे हैं। आम आदमी अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए रोज़ाना संघर्ष कर रहा है और ऐसे अधिकारियों के ठाठ बढ़ते जा रहे हैं। उक्त अधिकारी पांच साल की नौकरी में ही करोड़ों की मालकिन बन गई। उसके आवास पर छापेमारी में 92.50 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी और लगभग 1.5 करोड़ के आभूषण बरामद होने का सीधा-सा मतलब यह है कि अधिकारी महोदया ने कुर्सी मिलते ही जमकर चांदी कूटनी शुरू कर दी थी। प्रशासनिक सेवा परीक्षाओं में सफलता मिलने के बाद साक्षात्कार में 'देशसेवा' का वादा करने वाले कुछ अधिकारियों का इतना पतन कैसे हो जाता है? असम की यह अधिकारी तो सिर्फ एक उदाहरण है। देश में ऐसे अनगिनत सरकारी अधिकारी व कर्मचारी कुर्सी पर कुंडली मारकर बैठे हैं, जो बगैर रिश्वत काम नहीं करते। उन्हें न तो अपने कृत्यों पर कभी लज्जा आती है, न नौकरी जाने का डर रहता है। आखिर हम कैसी व्यवस्था में जी रहे हैं? महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, वीर भगत सिंह और असंख्य त्यागी एवं बलिदानी महापुरुषों ने ऐसा भारत बनाने का ख़्वाब तो नहीं देखा था, जहां अंग्रेजों की जगह हिंदुस्तानी अफसर जनता का खून चूसने लग जाएं! पद और शक्ति पाने के बाद भ्रष्ट आचरण करने वाले ये अधिकारी उन लोगों की प्रतिष्ठा को भी बट्टा लगाते हैं, जो अपना काम बहुत ईमानदारी से करते हैं। कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी सम्मान के पात्र हैं। उनके होने से जनता राहत महसूस करती है।

सवाल है- उन अधिकारियों व कर्मचारियों का क्या किया जाए, जिन्होंने सरकारी नौकरी को रिश्वतखोरी का लाइसेंस समझ रखा है? भ्रष्टाचारियों को नकेल डालने के लिए सरकार को कुछ सख्त कदम उठाने होंगे। ऐसे लोगों के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें बनाकर जल्दी फैसला होने की व्यवस्था करनी चाहिए। भ्रष्टाचारी की संपूर्ण संपत्ति जब्त करनी चाहिए। उसे उम्रकैद से कम सजा नहीं होनी चाहिए। प्राय: दोषी ठहराए गए अधिकारियों के बारे में जनता को कम जानकारी मिलती है। ऐसे लोगों की तस्वीरें सार्वजनिक स्थानों पर लगानी चाहिएं, जिन पर उनका नाम, पद, अपराध आदि लिखे हों। चीन ने भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए एक अनूठे तरीके पर काम किया था। उसके तहत, जब कोई व्यक्ति सरकारी नौकरी में आता, तो उसे पहले दिन दफ्तर के बजाय जेल की सैर कराई जाती थी। वहां उन कैदियों से मुलाकात कराई जाती थी, जो कभी सरकारी अधिकारी थे, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण कैद कर लिए गए थे। चीन के सरकारी टीवी पर एक कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसमें किसी राजनेता, खिलाड़ी या फिल्मी सितारे का नहीं, बल्कि उन कैदियों का साक्षात्कार लिया जाता था, जिन्होंने सरकारी नौकरी के दौरान भ्रष्टाचार किया था। वे खासकर युवाओं को सावधान करते थे कि सरकारी नौकरी में भ्रष्टाचार से पूरी तरह दूर रहें, अन्यथा जीवन बर्बाद हो जाएगा। ऐसे साक्षात्कार देखकर लोग भ्रष्टाचार से तौबा कर लेते थे। भारत में सरकारी नौकरी बहुत मुश्किल से मिलती है। अगर भ्रष्टाचार को लेकर इस तरह सख्त कार्रवाई और प्रचार पर जोर दिया जाए तो निश्चित रूप से असर पड़ेगा। अपनी संपत्ति, नौकरी, प्रतिष्ठा और पूरे जीवन को दांव पर लगाकर रिश्वत लेना भारी घाटे का सौदा बन जाएगा। भ्रष्ट अधिकारियों की संपत्तियों के बारे में गुप्त सूचनाएं पहुंचाने वाले लोगों को उनका एक भाग इनाम में देने का प्रयोग शुरू करना चाहिए। एआई के इस दौर में सभी सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन कर देना चाहिए। अधिकारियों की जवाबदेही हो कि वे निश्चित समय में काम पूरा करके दें। किसी को भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए तकनीक सबसे असरदार हथियार है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान मंत्रिमण्डल द्वारा महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, जयपुर विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। यह विधेयक खेल प्रतिभाओं के विकास और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

-भजनलाल शर्मा

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव 2025-26 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रचंड विजय अत्यंत हर्षपूर्ण है। अध्यक्ष पद के लिए श्री आर्यन मान, सचिव पद के लिए श्री कुणाल चौधरी और संयुक्त सचिव पद के लिए सुश्री दीपिका झा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप 2025 के 53 किग्रा वर्ग में भारत की बेटी अंतिम पंघाल को शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि भारतीय महिला कुश्ती को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने वाली है ।

दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

चूक की सीख

बात सन 1948 की है। अहमदाबाद की महात्मा गांधी विज्ञान अन्वेषणशाला में कुछ विद्यार्थी भौतिकी का एक महत्वपूर्ण प्रयोग कर रहे थे। यह प्रयोगशाला हाल ही में देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई द्वारा स्थापित की गई थी। प्रयोग करते समय विद्यार्थियों से एक छोटी-सी चूक हो गई। अधिक मात्रा में विद्युत धारा प्रवाहित हो जाने के कारण एक बहुमूल्य यंत्र जल गया। वह यंत्र भारत में उपलब्ध नहीं था और विदेश से मंगवाया गया था। यह सोचकर विद्यार्थी बेहद घबरा गए और परेशान हो उठे। वे समझ नहीं पा रहे थे कि इस बारे में डॉ. साराभाई को कैसे बताएं। विद्यार्थी आपस में विचार-विमर्श कर ही रहे थे कि तभी उन्हें डॉ. साराभाई के कदमों की आहट सुनाई दी। एक विद्यार्थी ने कहा, 'वे आ रहे हैं, अब उन्हें बता ही देना चाहिए।' लेकिन दूसरा छात्र घबराकर बोला, 'नहीं, तुम ही बताओ, मुझसे नहीं होगा!' डॉ. साराभाई ने विद्यार्थियों को आपस में धीमे-धीमे बातें करते हुए देख लिया। उन्होंने मुस्कराकर पूछा, 'क्या बात है? कोई समस्या है क्या?' तब एक छात्र ने डरते-डरते सारी घटना बता दी।

सामयिक

भारत में डिजिटल सुनामी : जेन-जी हो गए इंटरनेट लवर्स

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

देश में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्यां में रिकार्ड बढ़ोतरी के साथ आज के डिजिटल युग में, यह अत्याधुनिक विधा हमारी दिनचर्या का अहम हिस्सा बन गई है। बैंकिंग, ऑनलाइन शॉपिंग, सोशल मीडिया, और ऑफिस वर्क जैसी गतिविधियां पूरी तरह इंटरनेट पर निर्भर हो गई हैं। देश और दुनिया में दिन-ब-दिन इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए उपयोग में लाते थे और अब यह बड़ों से बच्चों के हाथों में पहुँच कर हमारी जिंदगानी का अभिन्न और अहम हिस्सा बन गया है। विशेषकर जेन जी ने इंटरनेट लवर्स के रूप में अपनी पहचान बनाई है। डिजिटल की दुनिया में नब्बे के दशक के मध्य से लेकर 2010 की शुरुआत तक के जन्मे लोगों को जेन जी' का नाम दिया है।

दूरसंचार विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या 1 अरब से ज्यादा हो गई है। यह संख्या 1,002.85 मिलियन तक पहुंच गई है, जो मार्च की तुलना में 3.48 प्रतिशत ज्यादा है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण ब्रॉडबैंड का विकास बताया गया है। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार 30 जून, 2025 तक भारत में इंटरनेट /ब्रॉडबैंड ग्राहकों की कुल संख्या 100.28 करोड़ है। यह पिछली तिमाही की तुलना में 3.48 प्रतिशत की वृद्धि है। कुल उपभोक्ताओं में से 2.31 करोड़ नैरोबैंड उपभोक्ता हैं, जबकि 97.97 करोड़ ब्रॉडबैंड उपभोक्ता हैं। इसके अलावा, 4.47 करोड़ उपभोक्ता वायर्ड इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते हैं, जबकि 95.81 करोड़ उपभोक्ता वायरलेस इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते हैं।

आज बिना इंटरनेट जीवन अधूरा लगता है। इंटरनेट हमारी दिनचर्या में पूरी तरह घुलमिल गया है। इंटरनेट का सबसे बड़ा फायदा यही है, कि इसकी वजह से विश्व एक परिवार बन गया है। भारत की बात करे तो आज इंटरनेट ने देश के महानगरों से होते हुए गांव गुवाड़ तक आसानी से अपनी पहुँच बना ली है। हमारे जीवन के रोजमर्रा के अधिकांश कार्य के लिए इंटरनेट पर निर्भरता को देखते हुए इस युग को इंटरनेट का युग कहा जाने लगा है। चाहे पढ़ाई हो या मनोरंजन या फिर किसी तरह का मार्गदर्शन लेना हो, सभी इसके लिए इंटरनेट का सहारा ले रहे हैं। मोबाइल, कंप्यूटर से जुड़ा इंटरनेट घर बैठे दुनियाभर की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध करा देता है।

इंटरनेट का मतलब है इंटरनेशनल नेटवर्क यानी पूरे विश्व के नेटवर्क को इंटरनेट करते हैं। तथा इसको हिंदी में अंतरजाल कहते हैं। एक ऐसा नेटवर्क जिसे पूरी दुनिया के कंप्यूटर आपस में एक तार से जुड़े होते हैं। या हम यह भी कह सकते हैं कि पूरी दुनिया के सारे कंप्यूटर मकड़ी के जाल की तरह आपस में एक दूसरे से ही जुड़े हुए हैं। वैसे आमतौर पर आम भाषा में इसे केवल नेट करके ही बोला जाता है। इंटरेस्ट को वर्ल्ड वाइड वेब के नाम से भी जाना जाता है। वेब यानी कि इसका अर्थ तरंगों से होता है। आज देश और दुनिया के लगभग सभी घरों में ऑनलाइन पढ़ाई, खरीदारी, मनोरंजन और अन्य कामों के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा है।

आज से बीस तीस साल पहले लोगों ने इंटरनेट का नाम तक नहीं सुना था मगर देखते देखते आज इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज हम हर छोटी-छोटी चीजों के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। बहुत से लोगों का मानना है इंटरनेट के माध्यम से आमजन का जीवन आसान हो गया है क्योंकि इससे हम घर के बाहर गए बिना ही अपना बिल जमा करना व्यापारिक लेन -देन करना सामान खरीदना आदि काम कर सकते है.अब ये हमारे जीवन का खास हिस्सा बन चुका है। यहाँ तक की खाने पीने का सामान भी इंटरनेट से मंगाते है। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग और मध्यम वर्ग के लोगों में इंटरनेट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। परन्तु जहां एक तरफ इंटरनेट हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है वहीं दूसरी ओर इंटरनेट के अत्याधिक इस्तेमाल से यह नुक्सान दायक साबित हो रहा है। इंटरनेट ज्ञान का खजाना है यह कहते हम थकते नहीं है। निश्चय ही यह हमारी जिंदगी में एक वरदान बनकर आया है मगर इसके दुरूपयोग ने हमें उजाले से अँधेरे में धकेलते देर नहीं लगायी यह भी एक सच्चाई है। एक्सपर्ट के मुताबिक इंटरनेट के अधिक उपयोग से लोगों में इंटरनेट की लत बढ़ती जा रही है। खासकर युवा वर्ग जिसे जेन जी का नाम दिया जा रहा है, दिनरात सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग आदि आदि में व्यस्त रहते हैं। आवश्यकता इस बात की है की हम नए जमाने को अपनाने के साथ उसकी बुराइयों पर भी निगाह रखे ताकि बचपन को गुमराह होने से बचाया जा सके।

मुद्दा

सरकारी नौकरी : सुरक्षा या मानसिकता?

अमरपाल सिंह वर्मा

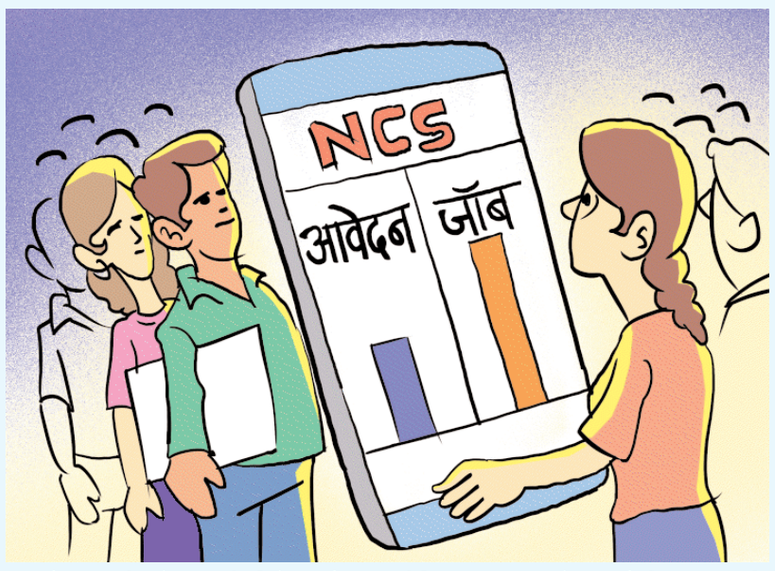

राजस्थान में हाल ही में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (चपरासी) के 53 हजार 749 पदों पर भर्ती के लिए जो आवेदन आए, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इन पदों के लिए कुल 24 लाख 75 हजार बेरोजगार युवाओं ने आवेदन किया है। इस भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा पास है लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि आवेदकों में से करीब 75 प्रतिशत अभ्यर्थी दसवीं पास से कहीं ज्यादा शिक्षित हैं। यानी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य, कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातक से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई करने वाले युवा भी अब चपरासी बनने की कतार में खड़े हैं।

यह तस्वीर केवल राजस्थान की नहीं है बल्कि पूरे देश में बेरोजगारी का यही स्वरूप दिखाई देता है। जब लाखों पढ़े-लिखे युवा एक मामूली चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर हमारी शिक्षा व्यवस्था, रोजगार नीति और सामाजिक सोच युवाओं को किस दिशा में ले जा रही है? हमारे समाज में सरकारी नौकरी को अब भी सबसे सुरक्षित और सम्मानजनक कॅरियर माना जाता है। अब तो कन्या पक्ष विवाह के लिए भी सरकारी नौकरी वाले लडक़े को ही तरजीह देता है।

स्थाई वेतन, पेंशन जैसी सुविधाएं और सामाजिक प्रतिष्ठा युवाओं को इस ओर आकर्षित करती है। लेकिन आज चपरासी बनने के लिए भी जिस हद तक भीड़ उमड़ रही है, उसे जाहिर है कि सरकारी नौकरी के प्रति मोह एक जुनून बन चुका है। युवा वर्ग स्वरोजगार, निजी क्षेत्र या पैतृक व्यवसाय की बजाय सरकारी नौकरी पाने के लिए वर्षों तक परीक्षाओं की तैयारी में अपनी ऊर्जा खर्च कर रहा है। खेती की ओर तो अब किसान पुत्र भी नहीं झांक रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि लाखों युवा न तो समय पर रोजगार पा रहे हैं और न ही अपनी क्षमता का सही उपयोग कर पा रहे हैं। कई बार तो योग्यताओं के असंतुलन के कारण स्थिति और भी विकट हो जाती है। जब एक एमबीए या बीटेक छात्र चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करता है तो वह केवल खुद को ही नहीं बल्कि एक वास्तविक दसवीं पास बेरोजगार को भी प्रतिस्पर्धा से बाहर कर देता है।

राजस्थान में चपरासी भर्ती के लिए उच्च शिक्षित युवाओं की भीड़ उमडऩे से एक और गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कि क्या हमारी शिक्षा युवाओं को वास्तव में रोजगार दिलाने लायक बना रही है? अगर लाखों स्नातक और स्नातकोत्तर केवल चपरासी बनने की चाह रखते हैं तो इसका सीधा मतलब है कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी नहीं रही। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री बांटना नहीं होना चाहिए बल्कि छात्रों को ऐसा कौशल और आत्म विश्वास देना चाहिए कि वे अपने दम पर रोजगार खड़ा कर सकें। दुर्भाग्य से आज अधिकांश युवा डिग्रीधारी तो हैं लेकिन कौशलहीन हैं। इसी वजह से वे निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते और अंतत: सरकारी नौकरी की दौड़ में लग जाते हैं।

सरकार ने कौशल भारत मिशन और अन्य योजनाओं के जरिए कौशल विकास पर जोर तो दिया है लेकिन उसकी पहुंच और असर अब भी सीमित है। आईटी, कृषि, निर्माण, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं लेकिन वहां प्रशिक्षित और दक्ष लोगों की कमी बनी हुई है। आज जब स्टार्टअप संस्कृति पूरे देश में फैल रही है पर हमारे ग्रामीण और कस्बाई इलाकों के लाखों युवा इससे वंचित हैं। बड़ा सवाल है कि इस समस्या का समाधान क्या है? इसके लिए काफी कुछ करने की जरूरत है। अगर उच्च शिक्षा के साथ युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाए तो वे न केवल आत्म निर्भर बनेंगे बल्कि स्वरोजगार और उद्यमिता की राह भी चुन सकेंगे। सरकार की रोजगार नीतियों को व्यावहारिक बनाना होगा। समाज को भी सरकारी नौकरी की मानसिकता से बाहर आने की जरूरत है। हर जिले में उच्च स्तरीय कौशल केंद्र विकसित कर आईटी, कृषि, निर्माण, मशीनरी और सेवा क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। यदि सरकार युवाओं को छोटे उद्योग-व्यवसाय शुरू करने के लिए आसान ऋण, तकनीकी सहयोग और बाजार उपलब्ध कराए तो उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान में चपरासी बनने के लिए लाखों युवाओं के उमडऩे से साफ है कि बेरोजगारी केवल आंकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह हमारी शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक सोच की विफलता का परिणाम है। स्वरोजगार भी सरकारी नौकरी जितना ही सम्मानजनक और सुरक्षित हो सकता है, युवाओं को यह भरोसा दिलाना होगा। परिवार और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि रोजगार केवल सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है। स्वरोजगार, निजी क्षेत्र और पैतृक व्यवसाय भी उतने ही सम्मानजनक हैं। इनके जरिए न केवल आजीविका बल्कि समाज में मान-सम्मान भी हासिल किया जा सकता है।

नजरिया

वेद, उपनिषद; ज्ञान और सन्मार्ग के बड़े स्रोत

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासकों द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल भी भारतीय संस्कृति सनातन ग्रंथों और संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस आद्योपांत अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी।

गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरु का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक शांति की खोज संदर्भ में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है। व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है। पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो।

जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत होश्र इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है।

क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अत: श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत में ऑस्ट्रियाई राजदूत कैथरीना वीसर ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रियाई राजदूत के आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर्मस्ट्रांग पाम का अभिनंदन किया।

सूजे हुए चेहरे, धीमी धड़कन, पीठ दर्द: अंतरिक्ष यात्रा के छिपे हुए प्रभावों पर शुभांशु शुक्ला ने बताया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा कि चेहरे पर सूजन, धीमी धड़कन, पीठ में दर्द और भूख न लगना कुछ ऐसी वास्तविकताएं थीं जिनका सामना उन्होंने अंतरिक्ष यात्रा के दौरान किया, जो इसकी (अंतरिक्ष यात्रा की) आकर्षक छवि से बहुत दूर है।

फिक्की सीएलओ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शुक्ला ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जीवन मानव सहनशक्ति की एक कठिन परीक्षा है, जो लचीलेपन, टीम भावना और दृढ़ता के शक्तिशाली सबक प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ''अब आप सोच सकते हैं कि अंतरिक्ष मिशन शुरू से ही रोमांचक होते हैं, और सच कहूं तो वे होते भी हैं। लेकिन एक बार जब आप सूक्ष्म गुरुत्व में पहुंच जाते हैं, तो आपका शरीर सूक्ष्म गुरुत्व वाले वातावरण में होता है। यह विद्रोह करता है क्योंकि इसने पहले कभी ऐसा वातावरण नहीं देखा होता, सबकुछ बदल जाता है।''

शुक्ला ने कहा, ''रक्त ऊपर की ओर बढ़ता है, आपका सिर फूल जाता है, आपकी हृदय गति धीमी हो जाती है, आपकी रीढ़ लंबी हो जाती है और आपको पीठ में दर्द होता है। (आपके शरीर के अंदर) आपका पेट भी तैरता रहता है और उसकी सामग्री भी, इसलिए आपको भूख नहीं लगती। ये सभी परिवर्तन उस क्षण होते हैं जब आप अंतरिक्ष में पहुंचते हैं।'' उन्होंने एक विशेष रूप से कठिन क्षण को याद किया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत से ठीक पहले उन्हें मतली और सिरदर्द की समस्या हो रही थी।

शुक्ला ने कहा, ''आप दवा भी नहीं ले सकते क्योंकि मतली की दवाएं आपको नींद में डाल देती हैं। इसलिए आपको बुरा लगता है और फिर भी आपको काम करना पड़ता है।'' उन्होंने बताया कि स्थिति को देखते हुए उनकी टीम के एक सदस्य ने चुपचाप अपना कैमरा और माइक्रोफ़ोन सेट कर दिया। शुक्ला ने कहा, ''यह टीम भावना है, शब्दों में नहीं, बल्कि काम में।''

शुक्ला ने बताया कि अंतरिक्ष यात्रियों को अनगिनत छोटे-छोटे तरीकों से एक-दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है - जैसे कि ग्लव बॉक्स में लंबे प्रयोगों के दौरान उनके चेहरे के पास पंखा लगाना, या जब वे घंटों तक फंसे रहते हैं तो उन्हें पानी की बोतल देना। उन्होंने कहा, ''ये छोटे-छोटे प्रयास दर्शाते हैं कि टीम भावना कितनी महत्वपूर्ण है।''

शुक्ला ने कहा, ''सहयोग वैकल्पिक नहीं है, यह आवश्यक है। आप अंतरिक्ष में अकेले नहीं जाते, आप कई लोगों के कंधों पर सवार होकर जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि शारीरिक असुविधा के अलावा अंतरिक्ष यात्रा का भावनात्मक प्रभाव भी गहरा था।

शुक्ला ने पृथ्वी की ओर देखने और भारत को निहारने को एक अत्यंत मार्मिक अनुभव बताया। उन्होंने कहा, ''पृथ्वी पर मौजूद सभी स्थानों में से भारत ऊपर से देखने पर सबसे सुंदर लगता है। समुद्र तट और मैदान अलग ही नजर आते हैं... यह सचमुच सारे जहां से अच्छा है... उन क्षणों में घर से जुड़ाव बहुत ही अद्भुत लगता है।''

शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष अभियानों की असली विरासत सिर्फ़ विज्ञान में ही नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व और प्रेरणा में भी निहित है। उन्होंने बताया कि लखनऊ में मुलाकात करने वाले बच्चों ने बताया कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के बारे में तभी पता चला जब वह वहां गए थे।

रैली

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (-खचखच) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने शुक्रवार को अहमदाबाद में पैगंबर मुहम्मद के नाम वाले पोस्टर लिए और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा हाल ही में उत्तर प्रदेश के कानपुर में पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिवस समारोह के दौरान पैगंबर मुहम्मद के प्ले कार्ड पकड़े युवाओं को हिरासत में लेने के विरोध में एक विरोध रैली निकाली।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी दीपिका पादुकोण

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण 2024 में आई हिट तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के अगले भाग (सीक्वल) में नहीं दिखाई देंगी। निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण करने वाले 'वैजयंती मूवीज' स्टूडियो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह खबर साझा की। इसमें कहा गया, आधिकारिक तौर पर घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण... 'कल्कि2898 एडी' के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। पहली फिल्म बनाने की लंबी यात्रा के बावजूद हम साझेदारी कायम नहीं रख पाए। स्टूडियो ने कहा, और 'कल्कि2898 एडी' जैसी फिल्म उस प्रतिबद्धता और उससे भी कहीं ज्यादा की हकदार है। हम उन्हें (दीपिका) भविष्य के कामों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। यह फिल्म जून 2024 में प्रदर्शित हुई थी और वैश्विक स्तर बॉक्स ऑफिस पर इसने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।

ब्रिटेन का नया 'एमआई6 डार्क वेब पोर्टल' दुनिया भर के जासूसों को आकर्षित करेगा

लंदन/भाषा। ब्रिटेन द्वारा शुक्रवार को शुरू किया गया डार्क वेब पोर्टल खुफिया एजेंसी एमआई6 के नए सुरक्षित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म 'साइलेंट कूरियर' का उपयोग करके देश के लिए दुनिया भर से जासूसों की भर्ती करेगा। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि इसका लक्ष्य पहली बार डार्क वेब की गुमनामी का उपयोग करके रूस के साथ-साथ अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में एजेंटों की भर्ती करना है।

पोर्टल तक पहुंचने के निर्देश एमआई6 के सत्यापित यूट्यूब चैनल पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होंगे, क्योंकि ब्रिटेन सक्रिय रूप से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संभावित नए एजेंटों तक पहुंच रहा है।

विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा, ''जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है और हमारे सामने मौजूद खतरे बढ़ रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ब्रिटेन हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वियों से एक कदम आगे रहे।'

अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद देश के किसानों और ईमानदार व्यापारियों के लिए बने मज़बूत आवाज़

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि देश भर में उनकी प्रशंसा क्यों की जाती है। सिनेमा की चकाचौंध से परे, सोनू सूद लगातार भारत की रीढ़ हमारे किसान और छोटे व्यवसायियों के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं, जो अपनी आजीविका ईमानदारी और कड़ी मेहनत से कमाते हैं। हाल ही में उन्होंने सुरेश गिरी की कहानी को सामने लाया, जो एक साधारण किसान हैं जो ट्रैक्टर पर अपनी दुकान चलाते हैं और पूरी ईमानदारी से मिर्च बेचते हैं। ऐसे मेहनती लोगों के साथ खड़े होकर सोनू सूद ने एक और अहम मुद्दे पर आवाज़ उठाई है- गुटखे का विरोध। उनका मानना ह्लह्लहै कि व्यवसाय में स्वास्थ्य, सम्मान और ईमानदारी हमेशा सबसे ऊपर होनी चाहिए। गुटखा को ना और ईमानदारी से कमाई को हाँ कहकर, उन्होंने अपने लाखों फॉलोअर्स के लिए एक मिसाल कायम की है, और कैप्शन में लिखा है, गुटखा को कहें ना। सोनू सूद अपनी मानवीय सेवाओं और ईमानदारी के पक्ष में खड़े होने के अपने प्रयासों को साथ लेकर चल रहे हैं चाहे वह पंजाब के आपदा प्रभावित परिवारों की मदद हो या देश के मेहनती किसानों की। वे लगातार छोटे व्यापारियों, किसानों और मेहनतकश लोगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था की असली बुनियाद हैं। उनका संदेश सीधा, सरल लेकिन बेहद प्रभावशाली है- ईमानदारी का सम्मान करें, किसानों का समर्थन करें और एक स्वस्थ भारत का निर्माण करें।

21 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म 'गुस्ताख़ इश्क'

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की पहली निर्मित फ़िल्म गुस्ताख़ इश्क़, 21 नवंबर को रिलीज होगी। फ़िल्म गुस्ताख इश्क ,मनीष मल्होत्रा की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस फ़िल्म में शानदार कलाकारों की टोली है, जिनमें विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और नसीरुद्दीन शाह शामिल हैं, जो दर्शकों को एक अनोखी मोहब्बत की दुनिया में ले जाएंगे। हाल ही में फ़िल्म का पहला गीत 'ऊलजलूल इश्क़' रिलीज़ हुआ है, जिसने श्रोताओं के दिल छू लिए हैं। इस गाने में विशाल भारद्वाज की रूहानी धुनें, गुलज़ार के बेमिसाल बोल, ऑस्कर विजेता रसूल पोकुट्टी की अद्भुत साउंड डिज़ाइन और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पा राव एवं पापोन की सुमधुर आवाज़ें शामिल हैं। निर्देशक विभु पुरी द्वारा रचित गुस्ताख़ इश्क़ ,कुछ पहले जैसा पुरानी दिल्ली की तंग गलियों और पंजाब की ढलती हवेलियों के बीच पनपती एक अनकही मोहब्बत और चाहत की संवेदनशील कहानी है। अपने भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ इस फ़िल्म का निर्माण करते हुए, मनीष मल्होत्रा न सिर्फ़ निर्माता के रूप में अपनी नई यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं, बल्कि भारतीय सिनेमा में क्लासिक कहानी कहने की परंपरा को एक नए अंदाज़ में आगे बढ़ा रहे हैं।

योग, ऑक्सीजन थेरेपी और ताजी हवा, ये हैं मलाइका अरोड़ा के फिटनेस के साथी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा फिल्म इंडस्ट्री की फिट एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं। उनकी फिटनेस और स्टाइल देख लोग हैरान हो जाते हैं। गुरुवार को उन्होंने अपनी फिटनेस रूटीन की एक झलक लोगों के साथ सोशल मीडिया पर साझा की। इसमें उन्होंने अपने फिटनेस मंत्र को लोगों के साथ कई तस्वीरों के रूप में साझा किया है। मलाइका अरोड़ा ने जो पहली इंस्टा स्टोरी शेयर की उसमें वह झील के किनारे योग करते हुए दिखाई दीं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, जल्दी सोना, जल्दी उठना। मेरी खुशी का ठिकाना। इसके बाद उन्होंने अपने परफेक्ट नाश्ते की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें एक ऑमलेट के साथ चकली और कुछ हेल्दी जूस शामिल था। मलाइका ने आगे बताया कि वह अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन थेरेपी का इस्तेमाल करती हैं। इन सबके साथ मलाइका ने बताया कि वह पैदल चलने के अपने लक्ष्य को पूरा करना भी सुनिश्चित करती हैं। उनकी फिटनेस वाली चेकलिस्ट में धूप, पानी, सनस्क्रीन, और ताजी हवा भी शामिल है। मलाइका अरोड़ा समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिये लोगों से अपने फिटनेस रूटीन को साझा करती रहती हैं ताकि वह भी उनसे प्रेरित हो सकें। इससे पहले मलाइका अरोड़ा ने अपना आत्मविश्वास बनाए रखने का मंत्र आईएएनएस से एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद भी कैसे उन्होंने मुश्किल समय में अपना आत्मविश्वास नहीं डिगने दिया।

अभिनेत्री ने कहा था, मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मुश्किल समय आना भी ठीक है। व्यायाम करना, कृतज्ञता का अभ्यास करना और अपनी खामियों को स्वीकार करना मुझे हमेशा अपने मूल में वापस लाता है। मलाइका अरोड़ा अपने फैंस के बीच अपनी कमाल की फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर ट्रेंड सेट करने में आगे रहती हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि वह कैसे आराम से ग्लैमर और कंफर्ट के बीच संतुलन बनाती हैं। मलाइका बोलीं, मैं ग्लैमर को अपने आराम यानी कंफर्ट पर भारी नहीं पड़ने देती हूं। असली स्टाइल तब होता है जब आप किसी कमरे में शानदार दिखते हुए प्रवेश करें, लेकिन फिर भी अपनी अहमियत को बरकरार रखें।

करण जौहर को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत, बिना अनुमति तस्वीर या आवाज के इस्तेमाल पर लगी रोक

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर को पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तित्व अधिकार) केस में जीत मिली है। अब बिना उनकी अनुमति के कोई भी उनका नाम, आवाज या फोटो का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। करण जौहर ने पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तित्व अधिकार) की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की। यह मामला पहली बार सोमवार, 15 सितंबर को अदालत में लाया गया था, जब न्यायमूर्ति मनमीत पी.एस. अरोड़ा ने कहा कि वह करण जौहर द्वारा उठाए गए कई मुद्दों की सुनवाई करेंगी। इनमें उनके नाम और फोटो का उपयोग करके सामान बेचना, फर्जी प्रोफाइल, डोमेन नाम का दुरुपयोग और अश्लील सामग्री शामिल थी। जौहर की याचिका में कुछ वेबसाइटों और प्लेटफॉर्म्स को उनकी तस्वीर वाले मग और टी-शर्ट जैसे सामान अवैध रूप से बेचने से रोकने की भी मांग की गई थी।

याचिका में करण जौहर के वकील ने दावा किया था कि विभिन्न संस्थाएं उनकी सहमति के बिना उनके नाम, फोटो, आवाज आदि का आर्थिक लाभ के लिए उपयोग कर रही हैं। करण जौहर के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव, ने भी इस बात की पुष्टि की। वहीं फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के स्वामित्व वाली मेटा प्लेटफॉर्म्स के वकील ने तर्क दिया कि चिन्हित की गई कई टिप्पणियां मानहानिकारक नहीं थीं। वकील ने कहा, ये आम लोग हैं जो टिप्पणियां कर रहे हैं और चर्चा कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर व्यंग्य और चुटकुले हैं, जो मानहानिकारक नहीं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि अगर पूर्ण प्रतिबंध लगता है तो बहुत सारे केस दर्ज होने शुरू हो जाएंगे।

उनसे पहले ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन को भी पर्सनैलिटी राइट्स के मामले में हाईकोर्ट से राहत मिली थी। तब अलग-अलग अदालतों ने पति-पत्नी को राहत देते हुए उनकी तस्वीरों और आवाज को बिना अनुमति के इस्तेमाल करने पर रोक लगाई थी। साथ ही यह भी कहा था कि इन अभिनेताओं को भ्रामक या अपमानजनक तरीके से चित्रित करने के लिए एआई सहित प्रौद्योगिकी का उपयोग करना गोपनीयता और गरिमा का उल्लंघन है।

खरीददारी

शुक्रवार को कोलकाता के हाटीबागान बाज़ार में दुर्गा पूजा की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जहाँ लोग नए कपड़े और त्योहारों के लिए ज़रूरी सामान खरीदने के लिए उत्सुक थे।

लव कुश रामलीला में पूनम पांडे बनेगी मंदोदरी

नई दिल्ली/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री पूनम पांडे लव कुश रामलीला में महाबली रावण की पत्नी मंदोदरी का दमदार किरदार निभाएंगी। लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया,जब हमने मंदोदरी की भूमिका के लिए पूनम पांडे से संपर्क किया तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। पूनम पांडे ने कहा कि यह उनके जीवन का सपना है जो प्रभु श्रीराम की कृपा से पूरा हुआ है। लाइव मंचन में हजारों दर्शकों के सामने मंदोदरी को साकार करना चुनौतीपूर्ण है, इसलिए वह अभी से गहन रिहर्सल कर रही हैं। पूनम पांडे ने कर्मा द जर्नी, जीएसटी: गलती से सिर्फ़, जैसी फिल्मों और टीवी धारावाहिक सीआईडी में अपनी पहचान बनाई है। मंच पर वह प्रसिद्ध अभिनेता आर्य बब्बर के साथ नज़र आएंगी, जो इस वर्ष रावण की भूमिका निभा रहे हैं। लाल किला मैदान में आयोजित लव कुश रामलीला का भव्य मंचन 22 सितम्बर से तीन अक्टूबर तक होगा।

नेहा धूपिया के 'फ्रीडम टू फ़्रीड' लाइव सेशन में शामिल होंगी ज्वाला गुट्टा

मुंबई/एजेन्सी

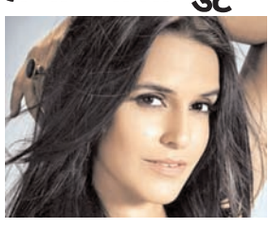

भारतीय बैडमिंटन स्टार ज्वाला गुट्टा ,नेहा धूपिया के 'फ़्रीडम टू फ़्रीड' लाइव सेशन में शामिल होंगी। नेहा धूपिया की सराही गई पहल फ़्रीडम टू फ़्रीड लगातार मातृत्व, स्तनपान और महिलाओं के निजी एवं पेशेवर जीवन के बीच संतुलन की चुनौतियों पर महत्वपूर्ण बातचीत करती आ रही है। इस बार इस मंच पर ज्वाला गुट्टा शामिल होंगी। वह आज, 18 सितंबर 2025, नेहा के साथ एक खुला लाइव सेशन करेंगी। ज्वाला, जो हाल ही में मां बनी हैं, ने 30 लीटर स्तन दूध दान कर सुर्खियाँ बटोरीं, जिससे ज़रूरतमंद नवजात शिशुओं की मदद हो सके। उनके इस प्रेरणादायक कदम ने न सिर्फ स्तनपान के महत्व को उजागर किया बल्कि देशभर में माताओं के लिए जागरूकता और सहयोग की ज़रूरत को भी सामने लाया। फ़्रीडम टू फ़्रीड की संस्थापक नेहा धूपिया ने कहा, मुझे बेहद खुशी है कि ज्वाला हमारे साथ जुड़ रही हैं। वह कोर्ट के अंदर और बाहर दोनों जगह चैंपियन रही हैं, और अब एक नई मां के रूप में भी अहम मुद्दों पर बात करके उदाहरण पेश कर रही हैं।

उनकी ताक़त, संवेदनशीलता और हिम्मत की कहानी से बहुत सी महिलाएं खुद को जोड़ पाएंगी। मैं उनके मातृत्व, खिलाड़ी जीवन और एक ऐसी महिला के सफ़र के बारे में सुनने के लिए उत्सुक हूँ, जिसने हमेशा सीमाएँ तोड़ी हैं।

फिल्म 'झटस्य मरणं ध्रुवम्' में आईपीएस की भूमिका में नजर आएंगी शीना चौहान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शीना चौहान फिल्म झटस्य मरणं ध्रुवम में आईपीएस अधिकारी की भूमिका में नजर आयेंगी। शीना चौहान अब दक्षिण भारतीय थ्रिलर झटस्य मरणं ध्रुवम में अपने नए और साहसिक किरदार से दर्शकों की उम्मीदों को नया आयाम देने जा रही हैं। इस फिल्म का बहुप्रतीक्षित टीज़र अब जारी हो चुका है। इस फिल्म में शीना चौहान एक आईपीएस अधिकारी का किरदार निभा रही है। शीना चौहान ने कहा, एक आईपीएस अधिकारी की भूमिका को प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए मुझे गहन शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। इसमें मार्शल आर्ट्स, कठोर बूट कैंप्स और एलीट ट्रेनर्स के साथ स्ट्रेंथ कंडीशनिंग शामिल थी। सबसे बड़ी चुनौती थी कि शारीरिक मांगों के साथ-साथ भावनात्मक सच्चाई को भी बनाए रखना।

शीना चौहान ने बताया, किरदार के भावनात्मक पहलू को समझने के लिए मैंने एक महिला पुलिस अधिकारी की छाया में समय बिताया और देखा कि वह वास्तविक खतरों और अपराधियों से कैसे निपटती हैं। उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे इस भूमिका को समझने और उसमें पूरी तरह ढलने में मदद की। यह फिल्म शीना का तेलुगु डेब्यू है। इससे पहले वह अपने मलयालम डेब्यू में मेगास्टार ममूटी के साथ एक्शन थ्रिलर में नज़र आ चुकी हैं।

हाल ही में, शीना ने हिंदी बायोपिक संत तुकाराम में अवली जीजाबाई की मुख्य भूमिका निभाई थी, जिसमें उनके अपोज़िट सुबोध भावे थे। निर्देशक श्रवण ध्रुवन और निर्माता मालकापुरम शिवकुमार (सुरक्ष एंटरटेनमेंट) की फिल्म झटस्य मरणं ध्रुवम में शीना एक बार फिर अपनी अदाकारी का दायरा बढ़ा रही हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 20-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाला संत और धर्म दोनों हमारे आदर्श है : राष्ट्रसंत कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि इसी माटी से ही मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारा बनाया गया है। यहां तक अपने शरीर का निर्माण भी इसी माटी से हुआ है। लेकिन यह दुर्भाग्य है धर्मस्थल से जितना प्यार करता है, उतना ही धरती मां के साथ सौतेला व्यवहार करता है। ऐसे को धार्मिक तो क्या इंसान कहलाने का अधिकार भी नहीं है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी समारोह पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते कहा कि मजहब से भी बढ़कर माटी है। इसके बिना जीने की कल्पना ही नहीं कर सकते श्रस्वर्ग और मोक्ष से बढ़कर भी धरती माता का स्थान है। उन्होंने कहा कि धरती माता के प्रति जो वफादार बनता है। वह किसी भी धर्म और जाति का हो उसकी सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित होना ही असली धर्म है।

मुनि कमलेशजी ने बताया कि पशु भी जिस घर का अन्न लेते हैं उसकी रक्षा के लिए जान लुटा देते हैं। इंसान जिस थाली में खाता है उसी में छेद करता है। ऐसे नमक हराम धर्म और मानवता पर कलंक है उनको धरती पर रहने का कोई अधिकार नहीं। राष्ट्रसंत ने कहा कि देश का खाता है विदेश के गीत गाता है उसको इस धरती पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। उनका विश्व के किसी धर्म मे प्रवेश नहीं हो सकता है। वह देशद्रोही से कम नहीं है उनकी कोई जाती और धर्म नहीं होता। जैन संत ने कहा कि देश की रक्षा में ही सभी धर्म और जाति की रक्षा है। देश तिजोरी है धर्म सोना है। देश नहीं रहा तो हमारा अस्तित्व कहां से रहेगा राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाला संत और धर्म हमारे पूजनीय और आदर्श होता है। अंत में कहा कि परस्पर समरसता निर्माण हो, पर्यावरण, नशा मुक्ति के लिए मिलकर काम करें, भारतीय संस्कृति की रक्षा के सच्चे सैनिक बने। आध्यात्मिक जगत की विश्व बंधुत्व की भावना हर दिल में सरकार होगी तब विश्व शांति स्वत स्थापित हो जाएगी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक दक्षिण प्रांत के प्रज्ञा प्रवाह एवं संघ के प्रचारक सुविश्व नाथ, संघ संचालक पेरंबुर पारस कुमार, बौद्धिक प्रचारक कोंडीतोप नगर नरेंद्र कांगरानी, अशोककुमार पुनायत आदि ने राष्ट्रसंत का आशीर्वाद प्राप्त किया।

चार प्यालों की कल्पना से खुला असंख्यता और अनंत का रहस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में चौथे कर्म ग्रंथ के आधार पर संख्यात्मक स्वरूप का गहन विवेचन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिसकी गिनती की जा सकती है, उसे संख्यता कहते हैं। जिसकी गिनती नहीं की जा सकती, उसे असंख्यता कहा जाता है। असंख्यता और अनंत के परित्त, युक्त और निजपद युक्त, तीन-तीन भेद होते हैं और ये जघन्य, मध्यम एवं उत्कृष्ट तीन स्तरों में विभाजित होने से कुल 21 भेद बनते हैं। गुरुदेव ने उदाहरण देते हुए समझाया कि जघन्य संख्यता का आधार दो की संख्या है। उत्कृष्ट संख्यता को जंबूद्वीप के माप वाले चार प्यालों की प्ररूपणा द्वारा जाना जाता है। जगत में जहां-जहां अनंत का उल्लेख है, वहां मध्यम अनंत अनंत ही मान्य होता है, क्योंकि उत्कृष्ट अनंत अनंत का कोई व्यावहारिक उपयोग नहीं है। जघन्य युक्त अनंता की जितनी संख्या होती है, उतने अभव्य जीवी इस संसार में हैं।

उन्होंने कल्पना के माध्यम से चार प्यालों की संरचना का अद्भुत चित्र खींचते हुए बताया कि इन प्यालों का विस्तार, गहराई और वेदिका का माप योजन के आधार पर निर्धारित होता है। इनमें अनवस्थित प्याला, शलाका, प्रतिशलाका और महाशलाका जैसी संकल्पनाएं संख्याओं की गहनता को दर्शाती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिस प्याले का माप तय नहीं रहता, वह अलग अलग प्रमाण वाला होगा, उसे अनवस्थित कहते हैं। अनवस्थित प्याले के साक्षी रुप एक-एक दाने से जो प्याला भरता है, उसे शलाका कहते हैं। शलाका प्याले के दानों के द्वारा जो भरेगा, उसे प्रतिशलाका कहते हैं और प्रतिशलाका के प्याला के दानों द्वारा जो भरेगा, उसे महाशलाका कहते हैं। चार प्यालों के दानों एवं समस्त द्वीप-समुद्र के दानों का योग एक अद्वितीय राशि बनाता है। उसमें से एक दाना घटाने से उत्कृष्ट संख्यता, और एक दाना बढ़ाने से जघन्य परित्त असंख्यता की स्थापना होती है।

गुरुदेव ने कहा कि इस क्रमिक विवेचना से जघन्य, मध्यम और उत्कृष्ट भेदों को समझना ही असंख्य और अनंत के रहस्यों का मर्म है।

यशवंतपुर तेरापंथ सभा के सदस्यों ने आचार्यश्री के किए दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ सभा यशवंतपुर के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया के नेतृत्व में 160 यात्रियों का एक गुरु दर्शन यात्रा संघ अहमदाबाद में विराजित आचार्य महाश्रमणजी के दर्शनार्थ पहुंचा। सभा, महिला मंडल, युवक परिषद ने सामूहिक गीतिका की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने यशवंतपुर सभा भवन में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। सहमंत्री सुनील बाबेल ने संघ की जानकारी दी। संघ के संयोजक ताराचन्द गन्ना, उपाध्यक्ष कुंदन गन्ना, विजयराज बरड़िया, मदनलाल बरड़िया, शांतिलाल भंसाली, हगामीलाल बरड़िया ने यशवंतपुर में आगामी वर्ष में चातुर्मास प्रदान करने का निवेदन किया। संघ यात्रियों ने आचार्यश्री सहित मुख्य मुनि महावीरमुनिजी, साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी, साध्वी संबुद्धयशा जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सभा के उपाध्यक्ष ताराचंद गन्ना, विजयराज बरड़िया, महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया ने कृतज्ञता के भाव व्यक्त किए। दक व डूंगरवाल परिवार के सौजन्य से आयोजित इस चार दिवसीय यात्रा संघ में आनुषंगिक संगठनों ने व्यवस्था संभाली।

भगवान बहुत दयालु होते हैं : पंडित पवन शर्मा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय श्रीराम सेवा समिति एवं संस्कार सखी मंडल शांतिनगर के सहयोग से पितृपक्ष में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के पंचम दिवस में व्यासपीठ से कथावाचक पवन महाराज ने कृष्ण बाल लीला-पूतना वध का वर्णन करते हुए कहा कि दुष्ट भी यदि मां बन कर आए तो भगवान उस का भी उद्धार कर देते हैं। भगवान बहुत दयालु होते हैं जो उनके शरण में जाता है, प्रभु उनका कल्याण कर देते है। भगवान श्रीकृष्ण ने कालिया नाग का मर्दन कर सभी गोप-गोपियों को भय मुक्त किया और वृंदावनवासियों को नाग के पाश से मुक्त कराया। भगवान के वृंदावनवासियों से गोवर्धन पर्वत की पूजा करवा कर इंद्र के गर्व का मर्दन किया, पर्वतों के साथ साथ प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण के महत्व को समझाया। इस मौके पर कथा स्थल पर गिरिराज पर्वत और छप्पन भोग की सुन्दर झांकी बनाई गई। कथा में शांतिनगर की महिलाओं और भक्तों ने कथा के रस का पान किया।

गलत रास्तों से बचाव ही सच्ची साधना है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजित डॉ. समकित मुनिजी के सान्निध्य में 'उवसग्गहर स्तोत्र' का नवां दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रवचन देते हुए मुनिजी ने जीवन और धर्म के गहरे सूत्रों पर प्रकाश डाला। मुनिश्री ने कहा कि तीन लोकों में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहाँ केवल धर्मात्मा ही निवास करते हों या केवल धर्म ही हो। नरक लोक में केवल पापात्माएँ हैं, लेकिन धर्मात्माओं के लिए ऐसा कोई विशेष क्षेत्र नहीं है जहाँ केवल धर्मात्माएँ ही मौजूद हो। यहाँ तक कि सिद्ध शिला में भी पापात्माओं का अस्तित्व मिलता है। इसी प्रकार काल की दृष्टि से भी देखें तो ऐसा कोई कालखंड नहीं है जहाँ केवल धर्म ही हो और अधर्म का नामोनिशान न हो। छठे आरे में केवल पापात्माएँ हैं, धर्मात्मा का जन्म वहाँ नहीं होता। लेकिन इसके बीच यदि मनुष्य अपने भावों को सही बनाए रखे तो पाँचवे आरे में भी जन्म लेकर कल्याण के मार्ग में आगे बढ़ सकता है। लेकिन यदि भाव सही न हों, तो साधु बनने के बाद भी जीवन बरबादी की ओर जा सकता है।

'ममत्व वोसीरामि' के प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए एक कहानी के जरिए संतश्री ने बताया कि एक गाँव में एक सेठ रहता था जिसकी कोई संतान नहीं थी। लेकिन उसने कभी दूसरों की संतान देखकर यह भावना नहीं रखी कि मेरे पास नहीं है तो दूसरों के पास क्यों है। उसके मन में यह नकारात्मक सोच कभी नहीं आई। वह हमेशा दूसरों की संतान की प्रशंसा करता और सकारात्मक दृष्टि रखता। ऐसा करते-करते एक दिन वह भी पिता बना और उसके घर पुत्र का जन्म हुआ। जैसे-जैसे पुत्र बड़ा हुआ और विवाह योग्य आयु में पहुँचा, पिता ने विवाह की बात की। लेकिन पुत्र ने तीन साल तक इंकार किया और अंत में कहा कि उसे नाचने वालों की बेटी पसंद है। पिता ने समझाया कि कम से कम परिवार और परंपरा के अनुरुप किसी कन्या को खोजो। इस प्रसंग के माध्यम से मुनिश्री ने समझाया कि कई बार हम ऐसे रास्तों पर बढ़ जाते हैं, जिन पर चलने के बाद केवल पछतावा ही हाथ लगता है। मुनिश्री ने कहा कि कभी क्रोध के कारण, कभी लोभ, द्वेष या राग के कारण मनुष्य ऐसे मार्ग चुन लेता है जो अंत में विनाश की ओर ले जाते हैं। इसीलिए आगमकार कहते हैं कि जब भी क्रोध के कारण झगड़े के रास्ते पर बढ़ने लगें, तो उसी समय चिंतन करें कि यह रास्ता मेरा नहीं है। लालच या द्वेष के कारण गलत राह पर चलने लगें तो मन में ठान लें कि यह मेरा मार्ग नहीं है और मैं इस पर चलने वाला नहीं हूँ। जब यह सोच दृढ़ हो जाती है तो जीवन के गलत रास्तों और बुरे परिणामों से बचाव हो जाता है। उन्होंने कहा कि कई बार अभिमान के कारण हम ऐसी बातें सोचते, कहते या कर जाते हैं जिनका परिणाम केवल नुकसान ही होता है। इसलिए जब भी मन में गुस्सा, द्वेष या अहंकार पैदा हो तो स्मरण करें-यह मेरा नहीं है और मैं इसका नहीं हूँ। यही सोच मनुष्य को बुरे कर्मों से बचाकर कल्याण के मार्ग पर ले जाती है। साथ ही, 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक नवरात्रि के उपलक्ष्य में 10 दिन नवरात्रि का जाप रखा गया है, जो प्रतिदिन रात 8:15 से 9:15 बजे तक होगा।

राजराजेश्वरीनगर में हुआ दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा आरआर नगर के तत्वावधान में साध्वी पुण्ययशाजी की सन्निध्य में शुक्रवार को मुमुक्षु हनुमानमल दुगड़ का मंगल भावना समारोह राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने एक रूपक के माध्यम से बताया कि मोह से ग्रसित व्यक्ति संसार को पार नहीं कर सकता। यह संसार मोह के आधार पर चल रहा है। इस संसार में तीन दृष्टि है, जड़ दृष्टि, निमित्त दृष्टि, आत्म दृष्टि। कोई पदार्थ को देखता है कोई निमित्त को देखता है तो कोई आत्मा को देखता है। जो पदार्थ और निमित्त को देखता है वह लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता किंतु जो आत्मदृष्टि से देखता है वह विकास के पायदान पर आगे बढ़ता है। हनुमानमल एक-एक कदम बढ़ाकर पहले उपासक बने, सुमंगल साधना स्वीकार की और अब चारित्र की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दीक्षार्थी हनुमानमल ने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में कुछ पाने के लिए कुछ लक्ष्य होते हैं, मैंने भी अपने जीवन का लक्ष्य बनाया कि कब तक संसार में भ्रमण करता रहूंगा, मुझे संसार की सीमा करनी है। उपासक श्रेणी से जुडने के बाद मेरा आध्यात्मिक विकास होता रहा और धीरे-धीरे मेरे मन में संयम का भाव पुष्ट होता रहा। साध्वी वर्धमानयशा जी ने गीत के माध्यम से अपनी भावना रखी। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, सरदारशहर परिषद के अध्यक्ष रणजीत बोथरा, वीणा भूतोड़िया, विमल सामसुखा ने अपनी भावना व्यक्त की। कंचनदेवी छाजेड़ ने दीक्षार्थी के आध्यात्मिक जीवन की जानकारी दी। तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल व अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया ने संचालन किया।

दिगम्बर जैन महिला समिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित पूर्वा पैनरोमा अपार्टमेन्ट में दिगम्बर जैन महिला समिति और समिति की विंग सदस्याओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक-धार्मिक विषयों पर चर्चा की गई तथा दस दिवसीय बुन्देलखण्ड की तीर्थयात्रा की योजना बनाई गई। इस मौके पर अध्यक्ष सुशीला बज ने सभी का स्वागत किया। समिति की सचिव डॉक्टर राजुल बज ने सोलह उपवास करने वाली गुणमाला गंगवाल, श्रीमती ममता पाटनी और दस उपवास करने वाली सुधा जैन, नीतू काला, कृतिका काला की तप की अनुमोदना करते हुए सम्मान किया। सरोज काला ने कार्यक्रम की जानकारी दी। शची इंद्राणी पद से सुशोभित सरोज देवी का सम्मान समिति के सदस्याओं ने किया तथा उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। मोना काला ने धन्यवाद दिया।

संयम, साधना और सेवा के प्रतीक हैं आचार्य शिवमुनि : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विल्सनगार्डन जैन स्थानक में आचार्य डॉ. शिवमुनि का 84वाँ जन्मोत्सव सामायिक साधना एवं एकासनापूर्वक मनाया गया। साध्वी आगमश्री ने कहा कि आचार्य डॉ. शिवमुनि का जीवन संयम, साधना और सेवा का अनूठा उदाहरण है। आचार्यश्री का जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज और संघ के लिए समर्पित रहा। उनके मार्गदर्शन में अनेक ध्यान-साधना प्रकल्प स्थापित हुए, जिनसे लाखों लोगों को शांति, आत्मबल और आत्मजागरण की प्रेरणा मिली। उन्होंने समाज में नैतिकता, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश दिया। आचार्यश्री का जीवन किसी भी प्रकार की सांसारिक लालसा से रहित है। उनका दृष्टिकोण दूरदर्शी रहा है।

उन्होंने युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ने और बालकों में संस्कारों के संवर्धन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।ङ्कसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि आचार्य शिवमुनिजी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए कि कठिनाइयों के बीच भी साधना और संयम की राह नहीं छोड़नी चाहिए। उनका जीवन बताता है कि जब मनुष्य अपना अहंकार त्यागकर आत्मकल्याण की राह पर चलता है तो वह स्वयं भी उन्नति करता है और समाज को भी प्रगति की दिशा देता है। सभा में समरथमल कोठारी ने 31 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। इस मौके पर ऑल इंडिया जैन कांफ्रेंस कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष प्रकाशचंद बुरड़, गुरु गणेश सेवा समिति के लादूलाल ओस्तवाल, कम्मनहल्ली संघ के हस्तीमल बाफना, विजयनगर संघ के राजेंद्र कोठारी आदि उपस्थित थे। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संचालन किया। प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने बताया कि इस अवसर पर जालना, महाराष्ट्र से साध्वी धैर्याश्री के संसारपक्षी परिवारजनों की भी उपस्थिति थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

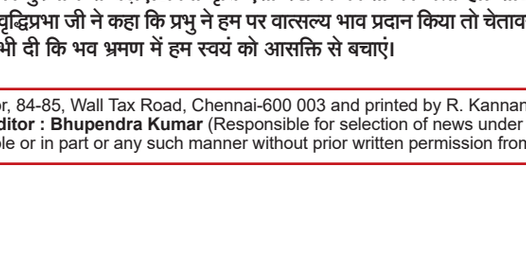

उत्सव

बेंगलूरु के हम्पीनगर द्वारा गजकरण गेलेयारा बळगा द्वारा गणेश उत्सव का आयोजन किया जिसमें अतिथि के रूप में विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, नाना गौड़ा बिरादर, महेंद्र मुणोत आदि उपस्थित थे। महिलाओं के लिए रंगोली स्पर्धा एवं बच्चों के लिए चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

केजीएफ संघ ने साध्वी शशिप्रभा से आगामी चातुर्मास के लिए किया निवेदन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केजीएफ के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सदस्यों ने शुक्रवार को अलसूर संघ में विराजित साध्वी शशिप्रभा जी के दर्शन कर उनके समक्ष वर्ष 2026 के लिए चातुर्मास हेतु निवेदन किया। केजीएफ संघ के अध्यक्ष सोहनलाल बोहरा के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल की ओर से महेंद्रकुमार मुणोत ने साध्वीश्री से चातुर्मास के लिए निवेदन किया। इससे पूर्व प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि साधक को श्रुत आराधना और धर्म प्रभावना करते हुए कभी थकना या रुकना नहीं चाहिए। अपनी पुनवानी को पुरुषार्थ से बढ़ाएं।अपनी वृत्ति ऐसी रखें कि किसी का भला हो। साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रभु ने हम पर वात्सल्य भाव प्रदान किया तो चेतावनी भी दी कि भव भ्रमण में हम स्वयं को आसक्ति से बचाएं।

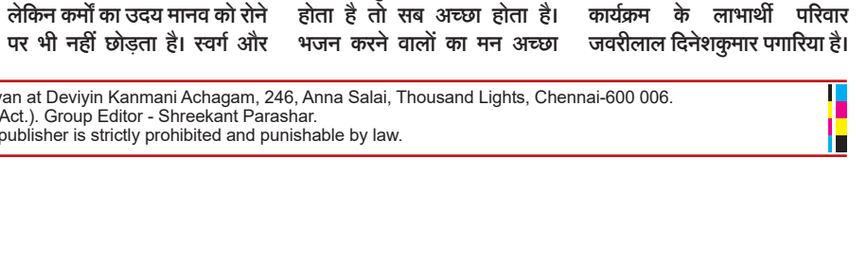

स्वर्ग और नर्क, मानव की करनी का फल : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि सभी को पता है कि अच्छा किया तो स्वर्ग और बुरा किया तो नर्क है। पाप किया तो नर्क है और पुण्य किया तो स्वर्ग है। यह जानते हुए भी मनुष्य पाप कर रहा है। मनुष्य का 24 घंटे में से अधिक समय राग, द्वेष, कर्म बंध की ओर लगता है। पुण्य धर्म ध्यान में थोड़ा भी समय नहीं दे पा रहा है। सुख में सभी साथ होते हैं, लेकिन दुख आने पर कोई साथ नहीं देता है। पाप करने में मजा आता है, लेकिन कर्मों का उदय मानव को रोने पर भी नहीं छोड़ता है। स्वर्ग और नर्क मनुष्य की करनी का ही फल होता है। जैसा करोगे वैसा ही मिलेगा। काम और धर्म कार्य करने से मनुष्य भागता है। कर्मों का उदय होगा तो कोई साथ नहीं देगा। परिवार के लिए लोग पाप करके कर्मों को बांध रहे हैं। लेकिन कोई साथ देने वाला नहीं है। समय मिला है तो कर्मों के बंध को तोड़ने का प्रयास कर जीवन को सुधार लेना चाहिए। मनुष्य को उपासना कर जीवन को बदल लेना चाहिए। किसी के मोह माया में नहीं फंसना चाहिए। जितना मोह, माया में फंसोगे उतना पाप होगा। जैसे मनुष्य खाने के लिए कर्म करता है वैसे ही उसको आत्मा को तपाने के लिए भी कर्म करना चाहिए। उसके लिए भी समय निकालना चाहिए। मनुष्य का मन अगर अच्छा होता है तो सब अच्छा होता है। भजन करने वालों का मन अच्छा होता है। जिस पर भगवान की कृपा होती है उसका जीवन खुशहाल होता है। ङ्कगुरुदेव ने कहा कि मनुष्य को पग पग पर ध्यान देना चाहिए। पाप करने से बचना चाहिए। राग द्वेष से बचो। ऐसा करने से ही जीवन सफल होगा। सभा में चेन्नई से विजयराज कोठारी, सुरेशचंद बोहरा, जम्बुकुमार जैन, प्रकाशचंद गुगलिया एवं कोसापेट पुरुषवाक्कम से अनेक सदस्यों ने ज्ञानमुनिजी ने वर्ष 2026 के अगले चातुर्मास के लिए निवेदन किया। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवारीय मध्यान्ह प्रवचन में आचार्य शिवमुनिजी के जन्मोत्सव पर सामायिक आराधना की जाएगी। कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार जवरीलाल दिनेशकुमार पगारिया है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.